राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण शुक्रवार 26 अप्रैल 2024 वर्ष-7,अंक-92 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

जैसलमेर के पास विमान दुर्घटनाग्रस्त....कोई जनहानि नहीं

जैसलमेर। राजस्थान के जैसलमेर जिले में गुरुवार सुबह करीब 10:20 बजे एक मानव रहित विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान हादसा जैसलमेर से दूर पिथला गांव के पास हुआ। हादसे में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। भारतीय वायु सेना ने पोस्ट कर बताया कि सेना का एक दूर से संचालित विमान नियमित प्रशिक्षण उड़ान के दौरान गुरुवार को जैसलमेर के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। किसी भी कर्मी या संपत्ति को कोई नुकसान नहीं हुआ है। दुर्घटना के कारण का पता लगाने के लिए एक कोर्ट ऑफ इंक्वायरी का गठन किया गया है। सेना अधिकारियों ने बताया कि वायु सेना का एक टोही या निगरानी विमान जैसलमेर के सिपला ग्राम पंचायत के बहल की ढाणी के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान सुनसान इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हुआ, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। घटना की सूचना मिलने पर वायुसेना के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। क्रैश होने से विमान जलकर राख हो गया। इसका मलबा दूर-दूर तक फैला है। मलबे को देखने के लिए ग्रामीणों की भीड़ जुट रही है। विमान में कोई पायलट नहीं था। इस कारण जासूसी विमान माना जा रहा है। हादसे के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। वायुसेना अधिकारी पुलिस के साथ मौके पर पहुंच गए हैं। माना जा रहा है कि किसी तकनीकी खामियों की वजह से ये विमान क्रैश हुआ है।

प्रियंका गांधी 27 को और राहुल गांधी 29 अप्रैल को करेंगे गुजरात में प्रचार

अहमदाबाद । लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए 26 अप्रैल को मतदान के बाद राजनीतिक दल खासकर भाजपा और कांग्रेस के राष्ट्रीय नेताओं के गुजरात दौरे शुरू हो जाएंगे. गुजरात में 7 मई को वोटिंग होगी और उससे पहले भाजपा व कांग्रेस के नेता धुआंधार चुनाव प्रचार करेंगे. कांग्रेस के नेता 26 अप्रैल से 5 मई तक गुजरात में अपने उम्मीदवारों के लिए वोट मांगेंगे. इसके अंतर्गत कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी आगामी 27 अप्रैल को दक्षिम गुजरात के वलसाड लोकसभा सीट पार्टी प्रत्याशी अनंत पटेल के समर्थन में धरमपुर में जनसभा को संबोधित करेंगे. जबकि राहुल गांधी 29 अप्रैल को उत्तर गुजरात के पाटन में जनसभा को संबोधित कर कांग्रेस उम्मीदवार चंदन ठाकोर के लिए वोट मांगेंगे. धरमपुर और पाटन के अलावा प्रियंका गांधी और राहुल गांधी की अन्य जिलों में भी सभाओं का आयोजन किया जा रहा है. कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे 1 मई से चार दिनों के दौरान गुजरात के चारों मंडल में एक एक सभाओं का आयोजन किया जा रहा है. केन्द्रीय नेताओं के साथ साथ युवाओं को आकर्षित करने के लिए महिला कांग्रेस की अध्यक्षा अलका लांबा के अलावा कन्हैया कुमार को बनासकांठा व राजकोट लोकसभा सीट पर प्रचार के लिए उतारा जाएगा.

तिहाड़ जेल में दो गुट आपस में भिड़े, चार कैदी घायल

नई दिल्ली। देश की जानी मानी तिहाड़ जेल में संदिग्ध गैंगवार और जेल में वर्चस्व की लड़ाई को लेकर जेल नंबर 3 के अंदर कैदियों के दो समूह आपस में भिड़ गए। इसमें चार कैदियों के घायल होने की खबर है। एक अधिकारी ने बताया कि घटना बुधवार सुबह की है। पुलिस ने घटना के संबंध में संबंधित धाराओं के तहत दोनों कैदियों समूह के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि घायल अलग-अलग समूहों से थे। हमले का कारण जेल में अपना दबदबा स्थापित करना था। अधिकारी ने कहा कि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया और बाद में प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

नलगोंडा में खड़े ट्रक से टकरा गई कार....शिशु सहित 6 लोगों की मौत

हैदराबाद। तेलंगाना के नलगोंडा में गुरुवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया जिसमें 6 लोगों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, हैदराबाद-विजयवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग पर जिस कार से वे यात्रा कर रहे थे, वह एक खड़े ट्रक से टकरा गई, जिसमें एक शिशु सहित छह लोगों की मौत हो गई। पीड़ित, सभी हैदराबाद के निवासी, विजयवाड़ा जा रहे थे जब उनकी कार अचानक खड़े ट्रक से टकरा गई जो खराब हो गया था और राजमार्ग के किनारे खड़ा था। वहीं तेलंगाना के वारंगल और सूर्यापेट जिलों में पिछले 24 घंटों के दौरान दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में दस लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि वारंगल जिले के वर्धन्नापेट के पास वारंगल-खम्मम राष्ट्रीय राजमार्ग पर अकर स्ट्रीम पुल पर सत्रह वर्ष की आयु के चार युवाओं की उस समय मौत हुई, जब उनकी बाइक अनियंत्रित होकर एक निजी ट्रैवल बस से टकरा गई। वर्धनपेट और येलांदा के रहने वाले छात्र गणेश, एम सिद्धू, वरुण तेज, पोन्नाला अनिल कुमार येल्लांदा से वर्धनपेट जा रहे थे, तभी दुर्घटना हुई। पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। एक अन्य दुर्घटना में छह गुरुवार तड़के सूर्यापेट जिले में श्रीरंगपुरम, कोडाद के पास कार के एक स्थिर लॉरी से टकरा जाने से छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दो अन्य घायल हो गये। पुलिस के मुताबिक घटना के वक्त कार में सवार लोग हैदराबाद से विजयवाड़ा जा रहे थे।

इसरो क्रू मॉड्यूल की सुरक्षा के लिए 30अप्रैल को कर सकता है परीक्षण

नई दिल्ली।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) गगनयान मिशन के लिए मानव अंतरिक्ष उड़ान की तैयारी कर रहा है। वहीं, पहला इंटीग्रेटेड एयर ड्रॉप टेस्ट 30 अप्रैल तक होने की संभावना है। हालांकि इस संबंध में अभी तक अधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। गगनयान मिशन में पहले इंटीग्रेटेड एयर ड्रॉप परीक्षण के लिए क्रू मॉड्यूल को भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टर से जमीनी स्तर से 4-5 किमी की ऊंचाई से गिराया जाएगा। यह परीक्षण क्रू मॉड्यूल की सुरक्षित लैंडिंग और क्रू मॉड्यूल की रिकवरी की पुष्टि करेंगे। एल्यूमीनियम और स्टील जैसी मजबूत सामग्रियों से बना क्रू कैप्सूल को चिनूक हेलीकॉप्टर पर लटकाया जाएगा। उसके बाद इसे तय ऊंचाई पर पहुंच कर समुद्र के ऊपर छोड़ दिया जाएगा। इसरो के अधिकारियों द्वारा यह कहा गया कि ये परीक्षण क्रू मॉड्यूल की सुरक्षित रिकवरी की पुष्टि करेंगे, जहां अंतरिक्ष यात्रियों को रखा जाएगा और पृथ्वी पर लौटने पर अंतरिक्ष यात्रियों के लिए सुरक्षित लैंडिंग सुनिश्चित करेंगे। ड्रॉप के दौरान पहले स्टेबलाइजर पैराशूट अलग हो जाएगा और उसके बाद मॉड्यूल का शीर्ष कवर अलग हो जाएगा। फिर ड्रग च्यूट को प्राथमिक शूट के बाद तैनात किया जाएगा, जो क्रू मॉड्यूल को नियंत्रित टचडाउन बनाने में मदद करेगा। यह परीक्षण गगनयान मिशन की पहली मानव रहित कक्षीय उड़ान से पहले अंतिम प्रमुख तैयारी चरणों में से एक है। तीन दिवसीय गगनयान मिशन के हिस्से के रूप में 2024-2025 में उड़ान भरने की उम्मीद है। तीन नामित अंतरिक्ष यात्री को 400 किमी के लिए पृथ्वी की कक्षा में लॉन्च किया जाएगा और फिर इसे सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस लाया जाएगा।

चारधाम यात्रा

करने वालों की तादात बढ़ी

व्यवस्था न गड़बड़ाए इसके लिए सीमित कर दिए पंजीयन

देहरादून।

इस वर्ष चारधाम यात्रा पंजीकरण के पहले ही दिन से जबरदस्त उत्साह बना हुआ है। दस दिन में कुल पंजीकरण का आंकड़ा 14.39 लाख को पार कर गया है। ऐसी स्थिति में धामों में व्यवस्था बनाने के लिए पंजीकरण को नियंत्रित किया गया है। यमुनोत्री धाम में पूर्व के वर्षों में प्रतिदिन 7500 ही श्रद्धालु दर्शन कर सकते थे। अब यहां प्रतिदिन दर्शन के लिए 9000 श्रद्धालु ही पंजीकरण करा सकेंगे। गंगोत्री धाम में पहले 8500 श्रद्धालुओं के दर्शन की व्यवस्था थी। यहां अब 11 हजार तक पंजीकरण प्रतिदिन हो सकेंगे। सचिव पर्यटन,सचिन कुर्वे का कहना है कि चारों धामों के लिए पोर्टल खुलते ही बड़ी संख्या में पंजीकरण हो रहे हैं। यात्रा पंजीकरण को किसी भी तरह की संख्या सीमित नहीं की गई थी, लेकिन जिस तेजी के साथ धामों में पूर्व के वर्षों में तय संख्या से भी कहीं अधिक पंजीकरण हो रहे हैं, उसे देखते हुए एक संख्या के बाद पंजीकरण नियंत्रित किए जा रहे हैं। ताकि यात्रा को व्यवस्थित और बेहतर रूप से संचालित किया जा सके। केदारनाथ धाम में 15 हजार दर्शन कर सकते थे। यहां 18 हजार तक पंजीकरण हो सकेंगे। बदरीनाथ धाम में 16 हजार श्रद्धालु दर्शन कर सकते थे, यहां के लिए अधिकतम पंजीकरण 20 हजार हो सकेंगे। चारधाम यात्रा के पंजीकरण को लेकर श्रद्धालुओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। सिर्फ दस दिन में पंजीकरण का आंकड़ा 14 लाख पार करने से पर्यटन विभाग सतर्क हो गया है। धामों में श्रद्धालुओं को परेशानी न हो इसे देखते हुए पंजीकरण को नियंत्रित कर दिया गया है। बदरीनाथ में 20 हजार, केदारनाथ में 18 हजार, यमुनोत्री में नौ हजार और गंगोत्री में अधिकतम 11 हजार पंजीकरण ही प्रतिदिन होंगे। चारों धामों में श्रद्धालुओं के लिए आवासीय सुविधा बेहद सीमित संख्या में है। इसे देखते हुए पूर्व के वर्षों में प्रति धाम प्रतिदिन श्रद्धालुओं के दर्शन करने की संख्या को सीमित कर दिया गया था।

प्रतिदिन पंजीकरण

- 20 हजार बदरीनाथ
- 18 हजार केदारनाथ
- 09 हजार यमुनोत्री
- 11 हजार गंगोत्री

एमडीएच-एवरेस्ट: मसाले बोर्ड ने कहा कि दोनों की गहन जांच जारी

नई दिल्ली ।

भारतीय ब्रांड एमडीएच और एवरेस्ट के कुछ मसालों में गुणवत्ता संबंधी चिंताओं के कारण सिंगापुर और हांगकांग में प्रतिबंध लगाने के बाद मसाले बोर्ड ने कहा कि वह दोनों देशों को भेजी जाने वाली ऐसी खेपों का अनिवार्य परीक्षण शुरू करेगा। इतना ही नहीं मसाला बोर्ड ने कहा कि वह मूल कारण का पता लगाने और सुधारात्मक उपाय सुझाने के लिए वह निर्यातकों के साथ काम करेगा। बोर्ड ने कहा कि मानकों का पालन सुनिश्चित करने के लिए गहन निरीक्षण जारी है। हांगकांग के खाद्य सुरक्षा नियामक सेंटर फॉर फूड सेफ्टी (सीएफएस) ने कहा था कि दो भारतीय ब्रांड के कई प्रकार के डिब्बा बंद मसाला उत्पादों के नमूनों में स्वीकार्य सीमा से अधिक कीटनाशक इथलीन ऑक्साइड पाया गया है। सीएफएस ने उपभोक्ताओं से इन उत्पादों की खरीदारी न करने के लिए कहा है। सीएफएस आदेश को ध्यान में रखते हुए सिंगापुर खाद्य एजेंसी ने उत्पादों की वापसी का निर्देश दिया था। जिन उत्पादों पर प्रतिबंध लगाया गया है उसमें एवरेस्ट फिश करी मसाला, एमडीएच मद्रास करी पाउडर (मद्रास करी के लिए मसाला मिश्रण), एमडीएच सांभर मसाला मिश्रित मसाला पाउडर, और एमडीएच करी पाउडर मिश्रित मसाला पाउडर शामिल हैं।

पटना में रेलवे स्टेशन के पास होटल में लगी आग, छह लोग जिंदा जले

-कई इमारतों में फैली आग, बुझाने के प्रयास जारी, पुलिस बल मौके पर मौजूद

पटना।

पटना में रेल्वे स्टेशन के पास स्थित एक होटल में भीषण आग लग गई। आग से छह लोगों के जिंदा जलने की खबर है और कई लोग फंस हुए हैं। आग ने अपना विकराल रुप धारण कर आसपास की बिल्डिंगों को भी अपनी जद में ले लिया। आग की सूचना पर कई फायर बिग्रेड की गाड़ियां मौके पर पहुंची हुई हैं और आग पर काबू पाने का प्रयास किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार रेलवे स्टेशन रोड के पास स्थित पाल होटल में अचानक आग गई। होटल में लगी आग का वीडियो वायरल हो गया है, जिसमें दिखाई दे रहा है कि आग की लपटें ऊंची-ऊंची उठ रही हैं। आग की वजह से आस-पास धुआं उठा रहा है जो दूर से ही दिखाई दे रहा है। बताया जा रहा है कि आग लगने की ये घटना रेलवे स्टेशन से 50 मीटर की दूरी पर हुई है। वीडियो में दिखाई दे रहा है कि फायर डिपार्टमेंट के कर्मचारी आग पर काबू पाने में जुटे हुए हैं. इसके अलावा मौके पर भारी संख्या में पुलिसबल मौजूद है। बताया जा रहा है कि अब तक आग से छह लोगों की मौत हो चुकी है। आग की स्थिति को देखते हुए एम्बुलेंस भी घटनास्थल पर मौजूद है ताकि होटल में फंसे लोगों का रेस्क्यू कर सीधे अस्पताल पहुंचाया जा सके। होटल में कितने लोग फंसे हैं इसकी अभी जानकारी नहीं मिल सकी है। फायर टीम आग बुझाने का प्रयास कर रही है। बताया जा रहा है कि गैस सिलेंडर के फटने से यह आग लगी है। जांच के बाद ही आग लगने के सही कारणों का पता चल सकेगा।

राजस्थान में 73 हजार, 799 बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं ने घर से मतदान किया

जयपुर ।

राजस्थान में लोकसभा चुनाव में 73 हजार 799 बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं ने घर से मतदान किया है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि दूसरे चरण के लिए 38 हजार 274 इसजरह के मतदाताओं ने घर से ही अपने मताधिकार का उपयोग किया। जबकि प्रथम चरण के तहत 35 हजार 525 मतदाताओं ने घर से मतदान किया।श्री गुप्ता ने बताया कि आम चुनाव-2024 में 85 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ मतदाता तथा 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग वाले मतदाताओं ने निर्वाचन आयोग की पहल पर पहली बार घर से ही उत्साहपूर्वक मतदान किया। उन्होंने बताया कि इस विकल्प के तहत सभी 25 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में अब तक 73 हजार 799 मतदाताओं ने मतदान किया। इसमें 56 हजार 691 बुजुर्ग तथा 17 हजार 108 दिव्यांग मतदाता शामिल हैं। इस दौरान 1062 मतदाताओं की मृत्यु होने और 1207 मतदाताओं के अनुपस्थित होने की वजह से उनका मतदान नहीं हो सका।

श्री गुप्ता ने बताया कि द्वितीय चरण के 13 लोकसभा क्षेत्रों में होम वोटिंग के लिए पंजीकृत मतदाताओं में से 98 प्रतिशत से अधिक ने मतदान किया है। अब तक कुल 38 हजार 274 मतदाताओं ने घर से मतदान किया है।

उन्होंने बताया कि प्रथम चरण के 12 लोकसभा क्षेत्रों में 35 हजार 525 मतदाताओं ने घर से मतदान किया। इसमें 26 हजार 569 बुजुर्ग, जबकि 8956 दिव्यांग मतदाता है। 418 मतदाताओं की मृत्यु हुई और 614 मतदाता घर पर नहीं मिले।

फोन टैपिंग मामला अब भजनलाल सरकार के पाले में

सरकार और एजेंसियों जांच कर दोषियों पर करें कार्रवाई: पूनिया

जयपुर।

लोकेश शर्मा के फोन टैपिंगकांड के खुलासे के बाद इस मामले की बॉल अब भजनलाल सरकार के पाले में चली गई है। अब सवाल खड़ा हो गया है कि जो आरोप पूर्व सीएम अशोक गहलोत के ओएसडी रहे लोकेश शर्मा ने लगाए हैं क्या भजनलाल सरकार उन तथ्यों की जांच करवाएगी? लोकेश द्वारा लगाए इन आरोपों से यह साफ होता है कि गहलोत सरकार को गिराने की साजिश में बीजेपी या उनके नेताओं की कोई भूमिका नहीं थी। लोकेश के खुलासे के बाद इस मामले में बीजेपी के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने कहा है कि भजनलाल सरकार और जांच एजेंसियों को इन तथ्यों की जांच करनी चाहिए और जो भी दोषी हो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

लोकेश शर्मा ने जो खुलासे किए हैं उनके मुताबिक अशोक गहलोत ने ही उन्हें पेन ड्राइव में रिकॉर्डिंग मीडिया में वायरल करने को दी थी। एक ऑडियो रिकॉर्डिंग में विधायकों के खरीद-फरोख्त की बात कही गई थी। लोकेश शर्मा ने कहा कि मानेसर बाड़ेबंदी में सचिन पायलट व उनके सहयोगी, गहलोत सरकार के मंत्रियों व अन्य विधायकों के फोन सर्विलांस पर थे। अशोक गहलोत यह साजिश रच रहे थे कि पायलट गुट के लिए सचिन पायलट और उनके गुट को बदनाम किया जाए ताकि उनकी कुर्सी बची रहे।

लोकेश शर्मा ने यह भी कहा कि उस वक्त डीजीपी, गृहविभाग के अफसरों को फोन टैपिंगकांड की जानकारी थी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की छवि खराब करने के लिए सीएमआर में साजिशें होती रही। संजीवनी से जुड़े लोगों को सीएम हाउस बुलाया और उनकी वीडियो रिकॉर्डिंग की गई। रीट पेपर लीक करवाने वाले राजनीतिक लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई? उन्होंने कोरोनाकाल में मेडिकल उपकरणों, दवाइयों की खरीद-फरोख्त में और महिलाओं को फ्री मोबाइल देने में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं।

लोकेश शर्मा ने जो तथ्य पेश किए हैं, उनकी जांच करवाने की जिम्मेदारी अब भजनलाल सरकार की है। बीजेपी के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने भी कहा है कि मैं सरकार का हिस्सा नहीं हूं, लेकिन उस वक्त बीजेपी और हम पर सरकार गिराने की साजिश रचने के पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने आरोप लगाए थे। अब यह साफ हो गया है कि इसमें हमारी कोई भूमिका नहीं थी। ऐसे में सरकार को इन तथ्यों की जांच करवानी चाहिए और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

समान आय वितरण

भारत में असमानता शुरू से ही अकादमिक विषय रही है, पर इस विषय का सियासत में अचानक गूंज उठना बहुत हद तक सुखद भी है और विचारणीय भी। कोई दोराय नहीं कि किसी सरकार की नीतियों की वजह से ही किसी देश में आर्थिक असमानता बढ़ती है और भारत में आजादी के पहले से ही घोर असमानता रही है। मगर इधर आर्थिक उदारीकरण की नीतियों के बाद आर्थिक असमानता बढ़ी है। अत- ऐसे में आय के पुनर्वितरण की चर्चा शायद गलत नहीं कही जाएगी। इस पर हरेक पार्टी का अपना-अपना नजरिया हो सकता है। फिलहाल, सत्ता पक्ष और विपक्ष का इस मोर्चे पर परस्पर भिन्न विचार अचरज में नहीं डालता है। खासकर, कांग्रेस के घोषणापत्र के बाद यह विषय उसके विरोधियों के लिए एक हथियार बन गया है। वैसे, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने इस पर सफाई दी है कि देश के जिन चुनिंदा 22 अमीरों या कंपनियों को सरकार की ओर से 16 लाख करोड़ रुपये की राहत मिली, उसमें से थोड़ी सी राशि उनसे वापस लेकर देश के 90 प्रतिशत लोगों या गरीबों में वितरित कर दी जाएगी। मतलब, कांग्रेस ने साफ कर दिया है कि आय-पुनर्वितरण का विषय चंद उद्यमियों तक सीमित है, जिनसे धन वापस लेकर गरीबों में बांटा जाना है। काश! यह विषय वाकई गंभीर विमर्श का विषय बन पाता। दरअसल, हमारे देश में तमाम राजनीतिक पार्टियां बड़े उद्यमियों या बड़ी कंपनियों से चंदा लेती हैं, तो स्वाभाविक है, उनसे बहुत कड़ाई की उम्मीद नहीं की जा सकती। कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) का उदाहरण तो हमारे सामने है। सरकार सीएसआर के तहत कंपनियों के मुनाफे का एक छोटा हिस्सा वसूलना चाहती थी, पर कंपनियां इसके लिए तैयार नहीं हुईं। तब कंपनियों को ही कहा गया कि वे मुनाफे का करीब दो प्रतिशत हिस्सा समाज-कल्याण पर स्वयं खर्च करें और सरकार को केवल सूचना दे दें। हमारे देश में भले ही लोक-कल्याण की राजनीति होती है, पर देश मूलत- पूंजीवादी स्वभाव रखता है। ऐसे में, साल 2000 के बाद भारत में असमानता तेजी से बढ़ रही है। एक प्रतिशत सबसे अमीर लोगों के पास देश की 22 प्रतिशत से ज्यादा आय और 40 प्रतिशत से ज्यादा संपत्ति है। एक विकासशील देश में ऐसी असमानता निश्चित रूप से राजनेताओं का प्रिय विषय बने, तो इससे देश को लाभ होगा। आगामी सरकारों को देर-सबेर यह मुद्दा वाकई गंभीरता से उठाना पड़ेगा, इस पर कोरी राजनीति देश के किसी काम नहीं आएगी। ठीक इसी तरह विरासत कर का मुद्दा भी अचानक उभर आया है। विरासत कर अमेरिकी अर्थव्यवस्था का एक पहलू है, जहां किसी अमीर व्यक्ति के निधन के बाद उसकी संपत्ति का पूरा हिस्सा उत्तराधिकारी तक नहीं जाता है, करीब 55 प्रतिशत हिस्सा सरकार ले लेती है। सच्चे पूंजीवादी देशों में शेयर की भावना प्रबल होती है, जबकि कथित क्रोनी कैपिटलिज्म में कमाई को लोग शुद्ध रूप से निजी पुरुषार्थ मानते हैं। यह संजीदा विषय है, भारत में इसकी चर्चा लोगों को नाराज कर सकती है, लेकिन यह विषय इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने कभी उठाया था और आज उनकी निंदा हो रही है। कांग्रेस ने उनकी टिप्पणी से पल्ला झाड़ लिया है, पर उसे सियासी नुकसान हो सकता है। भाजपा ने इसे मुद्दा बना लिया है। हालांकि, सियासत अक्सर समस्याओं के बखान में ज्यादा खर्च होती है, क्योंकि समाधान के रास्ते लंबे होते हैं, पर ये रास्ते देर-सबेर तय करने पड़ेंगे।

आज का राशीफल

मेष पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आपके वर्चस्व तथा प्रभाव में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

वृषभ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

मिथुन प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। आर्थिक लाभ होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा।

कर्क पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समाचार मिलेगा। रोजी रोजगार के प्रयास सफल होंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाणी की सौम्यता से रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

तुला पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

वृश्चिक आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। व्यावसायिक दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। विरोधियों का पराभव होगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। आर्थिक संकट से गुजरना होगा। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलायेगी।

कुम्भ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। टकराव की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन आगमन होगा। कुटुम्बजनों का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

जंग अब विश्व में नहीं, हथियारों में लगे

लेखक - ललित गर्ग

शांति के तमाम उपायों के बीच दुनियाभर में सैन्य खर्च, शस्त्रीकरण एवं घातक हथियारों की होड़ किसी खतरे की घंटी से कम नहीं। शस्त्रीकरण के भयावह दुष्परिणामाओं से समूचा विश्व भयाक्रांत है, हर पल आणविक हथियारों के प्रयोग को लेकर दुनिया डर के साये में जी रही है। इसीलिये आज अयुद्ध, निशस्त्रीकरण एवं शांति की आवाज चारों ओर से उठ रही है। शक्ति संतुलन के लिये शस्त्र-निर्माण एवं शस्त्र संग्रह की बात से किसी भी परिस्थिति में सहमत नहीं हुआ जा सकता। क्योंकि इससे अपव्यय हो होता ही है, साथ ही किसी भी गलत हाथों से दुरुपयोग होने की बहुत संभावनाएं रहती है। ताजा घटनाक्रम को देखें तो एक ओर रूस और यूक्रेन आमने-सामने हैं, वहीं दूसरी तरफ इजरायल और ईरान के बीच तल्खी भी चरम पर है। चीन और ताइवान के बीच भी रह-रह कर युद्ध के बदल मंडरा रहे हैं। ऐसे माहौल में यह सवाल भी गूंजना स्वाभाविक है कि क्या सचमुच दुनिया तीसरे विश्व युद्ध की ओर बढ़ते हुए घातक हथियारों के उपयोग की प्रयोगभूमि बन रही है? सवाल दूसरे ओर भी हैं। स्टॉकहोम इन्टरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की हथियारों पर आयी ताजा रिपोर्ट ऐसे ही सवाल खड़े कर रही है। इसका संतोषजनक जवाब शायद ही मिले क्योंकि दुनिया सीधे-सीधे दो खेमों में बंट गई है। स्टॉकहोम की रिपोर्ट के आंकड़े चौंकाने वाले ही नहीं, डराने वाले हैं। शांति के तमाम उपायों के बीच दुनियाभर में सैन्य खर्च का बढ़ना एवं नये-नये हथियारों का बाजार गरम होना, चिन्ताजनक है। रिपोर्ट में खास बात यह है कि दुनिया में र्सवाधिक सैन्य खर्च करने वाले देशों में भारत चौथे नंबर पर बरकरार है। शांति एवं अहिंसा की भूमि पर हथियारों का जमावड़ा उसकी कथनी एवं करनी के भेद को उजागर कर रहा है। ये सवाल स्वाभाविक है कि जब प्रत्येक देश शांति बनाए रखने की वकालत करता है फिर हथियारों की होड़ लगातार क्यों बढ़ रही है? भारत दुनिया का सबसे बड़ा हथियार आयातक देश बन चुका है। स्टॉकहोम की ओर से जारी रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। भारत ने बीते पांच साल में दुनिया में सबसे ज्यादा हथियार खरीदे हैं। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि यूरोप का हथियार आयात 2014-18 की तुलना में 2019-23 में लगभग दोगुना बढ़ा है, जिसके पीछे रूस-यूक्रेन युद्ध बड़ा कारण माना जा रहा है। वहीं, इसके अलावा पिछले पांच वर्षों में सबसे ज्यादा हथियार एशियाई देशों ने खरीदे हैं। इस लिस्ट में रूस-यूक्रेन का युद्ध देश के रक्षा निर्यात को काफी प्रभावित किया है। इस कारण से पहली बार रूस हथियार निर्यात में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। तो वहीं, अमेरिका पहले और फ्रांस दूसरे नंबर पर है।

पिछले 25 सालों में पहली बार, संयुक्त राज्य अमेरिका एशिया और ओशिनिया का सबसे बड़ा हथियार आपूर्तिकर्ता रहा। अमेरिका की हथियारों की होड़ एवं तकनीकीकरण की दौड़ पूरी मानव जाति को ऐसे कोने में धकेल रही है, जहां से लौटना मुश्किल हो गया है। अब तो दुनिया के साथ-साथ अमेरिका स्वयं ही इन हथियारों एवं हिंसक मानसिकता का शिकार है। अमेरिका दुनिया पर आधिपत्य स्थापित करने एवं अपने शस्त्र कारोबार को पनपाने के लिये जिस अपसंस्कृति को उसने दुनिया में फैलाया है, उससे पूरी मानवता कराह रही है, पीड़ित है। अमेरिका ने नई विश्व व्यवस्था (न्यू वर्ल्ड आर्डर) की बात की है, खुलेपन की बात की है लगता है 卐विश्वमानव卐 का दम घुट रहा है और घुटन से बाहर आना चाहता है। विडम्बना देखिये कि अमेरिका दुनिया का सबसे अधिक शक्तिशाली और सुरक्षित देश है लेकिन उसके नागरिक सबसे अधिक असुरक्षित और भयभीत नागरिक हैं। वहां की जेलों में आज जितने कैदी हैं, दुनिया के किसी भी देश में नहीं हैं। ऐसे कई वाकये हो चुके हैं कि किसी रेस्तरां, होटल या फिर जमावड़े पर अचानक किसी सिरफिरे ने गोलीबारी शुरू कर दी और बड़ी तादाद में लोग मारे गए। 2014 में अमेरिका में हत्या के कुल दर्ज करीब सवा चौदह हजार मामलों में अड़सठ फीसद में बंदूकों का इस्तेमाल किया गया था। एक तरफ अमरीका और उसके सहयोगी नाटो देश हैं तो दूसरी तरफ रूस-चीन का गठजोड़ है। तटस्थ रहने वाले देश भी गाहे-बगाहे अप्रत्यक्ष रूप से किसी न किसी खेमे की तरफ झुकाव प्रदर्शित करते रहे हैं। ऐसे में आखिरी उम्मीद संयुक्त राष्ट्र ही रह जाता है। जबकि संयुक्त राष्ट्र की शक्तियां एवं उद्देश्य कोरे दिखावे के हैं, समूची दुनिया इससे वाकिफ है। वह ऐसे किसी भी संकट में शांति प्रस्ताव पारित कर अपनी जिम्मेदारियों से इतिश्री कर पला झाड़ लेता है। वह न तो रूस-यूक्रेन के संघर्ष में और न ही इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष रोकने में कोई सार्थक भूमिका अदा कर पा रहा है। उसके कड़े से कड़े फैसले भी आखिर में महाशक्तियों के वीटो के सामने हथियार डाल देते हैं। दूसरे विश्वयुद्ध के बाद अस्तित्व में आया संयुक्त राष्ट्र कहने को तो दुनिया के देशों का सबसे बड़ा मंच है पर युद्धों को रोकने में उसकी भूमिका नगण्य है। ऐसे में दुनिया में बढ़ते हथियारों की होड़ एवं युद्ध की संभावनाओं को आखिर कौन-कैसे-किसको रोके? जाहिर है, ऐसी परिस्थितियों में तो हथियारों की होड़ बढ़ेगी ही। अमरीका एक तरफ युद्ध की तरफ बढ़ रहे देशों से शांति की अपील करने में सबसे आगे रहता है। लेकिन दूसरी तरफ अमरीकी हथियार कंपनियां तमाम देशों को खरबों रुपए के हथियार बेच रहीं है। इन कंपनियों के लिए तो युद्धकाल ही स्वर्णकाल होता है। ऐसे दौर में जब अधिकांश देश शिक्षा, रोजगार व सेहत के मोर्चे पर संकटों का सामना कर रहे हैं, हथियारों की इस होड़ को रोका ही जाना चाहिए।

रूस एवं यूक्रेन के बीच लम्बे समय से चल रहा युद्ध भीषणतम तबाही एवं सर्वनाश का कारण बनता दिख रहा है। रूस द्वारा परमाणु हथियारों के इस्तेमाल किये जाने एवं यूक्रेन के द्वारा 'डर्टी बम' का इस्तेमाल किये जाने की धमकियां, दुनिया के लिये डर का कारण बन रही है। भयंकर विनाश की आशंकाओं के बीच समूची दुनिया सहमी हुई है। यदि परमाणु हथियारों का उपयोग होता है तो यह मानवता के मूलभूत सिद्धांतों के खिलाफ होगा एवं दुनिया को अशांति की ओर अग्रसर करने वाला होगा। अब परमाणु हथियारों के इस्तेमाल का खतरा इसलिए बढ़ गया है कि यूक्रेन को इतने लंबे समय से झुकता न देख रूस का अहं चोट खा रहा है। हालांकि परमाणु हथियारों के दुष्परिणामों से दोनों देश अनजान नहीं हैं। इस युद्ध को चलते लंबा वक्त हो गया। इस तरह युद्धरत बने रहना खुद में एक असाधारण और अति-संवेदनशील मामला है, जो समूची दुनिया को विनाश एवं विध्वंस की ओर धकेलने जैसा है। ऐसे युद्ध का होना विजेता एवं विजित दोनों ही राष्ट्रों को सदियों तक पीछे धकेल देगा, इससे भौतिक हानि के अतिरिक्त मानवता के अपाहिज और विकलांग होने का भी बड़ा कारण बनेगा। यूक्रेन और रूस में शांति का उजाला करने, अभय का वातावरण, शुभ की कामना और मंगल का फैलाव करने के लिये भारत ने लगातार शांति प्रयास किये हैं। लेकिन प्रश्न है कि दुनिया को अहिंसा, अयुद्ध एवं शांति का सन्देश देने वाला भारत क्यों हथियारों की दोड़ में शामिल है? मनुष्य के भयभीत मन को युद्ध एवं हथियारों की विभीषिका से मुक्ति दिलाना आवश्यक है। युद्धरत देशों में शांति स्थापित कर, उन्हें अभय बनाकर, युद्ध-विराम करके विश्व को निर्भय बनाना चाहिए। निश्चय ही यह किसी एक देश या दूसरे देश की जीत नहीं बल्कि समूची मानव-जाति की जीत होगी। यथार्थ यह है कि अंधकार प्रकाश की ओर चलता है, पर अंधापन मृत्यु-विनाश की ओर। लेकिन रूस ने अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य का अहसास एक गलत समय पर गलत उद्देश्य के लिये कराया है। इस युद्ध से होने वाली तबाही रूस-यूक्रेन की नहीं, बल्कि समूची दुनिया की तबाही होगी, क्योंकि रूस परमाणु विस्फोट करने को विवश होगा, जो दुनिया की बड़ी चिन्ता का सबब है। बड़े शक्तिसम्पन्न राष्ट्रों को इस युद्ध को विराम देने के प्रयास करने चाहिए। लेकिन प्रश्न है कि जो देश हथियारों के निर्माता है, वे क्यों चाहेंगे कि युद्ध विराम हो। जब तक शक्तिसम्पन्न राष्ट्रों की शस्त्रों के निर्माण एवं निर्यात की भूख शांत नहीं होती तब तक युद्ध की संभावनाएं मैदानों में, समुद्रों में, आकाश में तैरती रहेगी, इसलिये आवश्यकता इस बात की भी है कि जंग अब विश्व में नहीं, हथियारों में लगे।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

मगर गरीबी है कि हटती ही नहीं गरीबी हटाओ का जुमला

राकेश गांधी

चुनाव आते ही गरीबों के चेहरे कुछ समय के लिए प्रसन्नता से खिल उठते हैं, क्योंकि अंततोगत्वा पांच साल बाद उन्हें याद जरूर कर लिया जाता है। चुनाव के तत्काल बाद ये गरीब राजनीतिक दलों के नेताओं के मानस पटल से हट भी जाते हैं। याद आना अच्छी बात है, पर हैरानी इस बात की भी है कि आजादी के साढ़े सात दशक बाद भी आखिर गरीबी मिट क्यों नहीं रही..? क्यों राजनीतिक दलों ने 'गरीबी हटाओ' नारे को अपना स्थाई जुमला बना रखा है? गरीबी तो हटती नहीं, पर साल-दर-साल गरीबों का गरीबी में ही जरूर नामोनिशां मिट जाता है। चुनावी समर चल रहा है। अभी तो इन 'गरीबों' की भी पौ बारह है। नेता रोज ही इनकी पूजा-अर्चना व भरपेट खाना पहुंचाने में व्यस्त चल रहे हैं। चुनाव से निपटते ही इन गरीबों को फिर से इन्हीं के हाल छोड़ दिया जाएगा। कुल मिलाकर मुफ्तखोरी की आदत डालकर इन गरीबों को गरीब ही बनाए रखने और सालो-साल इन पर राज करने का सिलसिला बदस्तूर जारी है। हाल ही में राजनीतिक दलों के घोषणा पत्र जारी हुए हैं। जोर-शोर से आगामी पांच साल में गरीबों के भूखे पेट का उपचार करने की बात की जा रही है। इससे ज्यादा तो कुछ होगा भी नहीं। जब साढ़े सात दशक में भी नहीं हो पाया तो अब क्या उम्मीद की जा सकती है। केवल गरीबी हटाने ही नहीं, हर बार लाखों नौकरियां देने के वादे भी किए जाते रहे हैं। ये बात अलग है कि पांच साल बाद भी हालात जस के तस ही रहते हैं और फिर शुरू हो जाता है जुमलों का दौर। इससे भी दु:खद तो ये है कि आजादी के बाद से लोगों को पानी, बिजली, सड़क, उच्च शिक्षा व बेहतर चिकित्सा जैसी बुनियादी सुविधाएं जुटाने के भी वादे किए जाते रहे हैं। इसके उलट आजादी के 77 साल बाद भी देश में ऐसे कई शहर व गांव मिल जाएंगे, जहां डामर की सड़क तो छोड़ो, अभी कच्ची सड़क तक नसीब नहीं हुई है। घटिया सीवरेज व्यवस्था के कारण बरसात के दिनों में शहरों में लोग कई-कई दिनों तक पानी से घिरे घरों में कैद रहते हैं। पीने को पर्याप्त पानी नहीं मिलता। कई गांवों में यातायात के साधन तक नहीं पहुंच पाए हैं। देश की सिलिकॉन सिटी बेंगलुरु जैसे प्रमुख शहर के लोग जब पेयजल संकट के भयानक हालात से जूझ रहे हैं तो दूरदराज के गांवों की क्या बात करें। हां, पिछले कुछ सालों में सारे देश में हाई-वे जरूर बने हैं। लिंक रोड से लोगों का आवागमन सुगम हुआ है। पर इसमें भी गरीब तो अभी भी गरीब ही है। उसकी गरीबी का निवारण अभी तक भी नहीं हो पा रहा है। इसमें किसी एक राजनीतिक दल को दोष देने से कुछ होना भी नहीं है। देश में आमूलचूल परिवर्तन की जरूरत है। सालों-साल झूठे वादे करने वालों से बचने की जरूरत है। वैसे भी देश में किसी नागरिक को 'गरीब' कहना किसी गाली से कम नहीं है। गरीब का मतलब केवल निर्धन ही नहीं, बल्कि उन्हें जबरन दरिद्र, कंगाल, दीनहीन, बेचारा, लाचार जैसे शब्दों से नवाजना है। ऐसे में वे जरूरतमंद जरूर हो सकते हैं, पर 'गरीब' तो बिल्कुल नहीं। हमें ये मान लेना चाहिए कि अब देश में जब तक आखिरी इंसान तक रोजगार, पर्याप्त पेयजल, बिजली, जरूरी चिकित्सा व शिक्षा के संसाधन नहीं पहुंच जाते, तब तक विकास की बात करना बेमानी होगी। हमें ये याद रखना चाहिए कि विख्यात सर्वोदयी व सामाजिक कार्यकर्ता तथा महात्मा गांधी के अनुयायी बाबा विनोबा जीवनपर्यन्त 'अन्त्योदय' की बात करते थे। 'अन्त्योदय' यानी अंत तक उदय। देश के आखिरी आदमी तक विकास की बात उनके इस ब्रह्मवाक्य में निहित थी। अन्त्योदय आज देश की अहम जरूरत बन गया है। सरकार जब तक इस 'अन्त्योदय' को नहीं अपनाती, तब तक देश को विकसित राष्ट्र नहीं माना जा सकता। देश में अंतरिक्ष विज्ञान, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, कृषि एवं चिकित्सकीय अनुसंधान के साथ-साथ इस समय प्रत्येक इंसान को आर्थिक, शैक्षिक व शारीरिक रूप से सम्पन्न बनाने पर ध्यान देने की जरूरत है। 'भिखारी मुक्त' नारे के साथ ही सक्षम व सम्पन्न देश के नारे पर ध्यान देने की जरूरत है। तभी भविष्य के चुनावों में गरीबी हटाओ और रोजगार व बुनियादी सुविधाएं जुटाने के झूठे वादों से मुक्ति संभव होगी।

विचार मंथन

भाजपा के 80-20 का जवाब कांग्रेस ने 90-10 से दिया

(लेखक-सनत जैन)

भारतीय जनता पार्टी ने 80-20 का जो नारा दिया था, अर्थात भारत में 80 फ़ीसदी आबादी हिंदू है और 20 फ़ीसदी आबादी में मुस्लिम और अल्पसंख्यक वर्ग आता है। भारतीय जनता पार्टी ने बहुसंख्यक आबादी को अपने पक्ष में करके लोकसभा और विधानसभा चुनाव जीतने के लिए गुजरात के बाद अन्य राज्यों के लिए जो रणनीति बनाई थी, उत्तर भारत के राज्यों में भाजपा की यह रणनीति काफी सफल रही। पिछले 10 साल में उत्तर भारत के सभी राज्यों में डबल और ट्रिपल इंजन की सरकार बनाने में भाजपा को सफलता मिली। केंद्र, राज्य और स्थानीय संस्थाओं पर भाजपा ने चुनाव जीतकर, सत्ता पर एकाधिकार बनाया। 80-20 की तोड़ इस चुनाव में कांग्रेस ने निकाली है। कांग्रेस ने 90-10 का जो फार्मूला तैयार किया है। उसके बाद से भाजपा का 80-20 का गढ़ दरकता हुआ नजर आ रहा है।

कांग्रेस ने सामाजिक एवं आर्थिक दृष्टि से सामाजिक न्याय के नाम से 90 फ़ीसदी लोगों के लिए घोषणा पत्र तैयार किया है। पिछले 10 वर्ष में भारत में पूंजीवाद बड़ी तेजी के साथ बढ़ा है। अमीर और अमीर होते चले गए, गरीब और गरीब होता चला गया। 45 फ़ीसदी संपत्ति एक फ़ीसदी लोगों के पास पहुंच गई है। बाकी 9 फ़ीसदी अति धनाड्य और धनाड्य हो सकते हैं। 90 फ़ीसदी भारत की आबादी आर्थिक एवं सामाजिक रूप से बहुत कमजोर है। कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में इन्हीं 90 फ़ीसदी लोगों के लिए जन कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से लोकसभा चुनाव 2024 में प्रवेश किया है। 90 फ़ीसदी लोगों की आर्थिक और सामाजिक उन्नति, जाति और समुदाय के अनुसार गरीबी और पिछड़े वर्ग को देने की घोषणा की है। आरक्षण, शिक्षा एवं नौकरी में आर्थिक आधार पर आरक्षण, बिना किसी भेदभाव की सामाजिक व्यवस्था, केंद्र एवं राज्य सरकार की करोड़ों नौकरियां, जो पिछले, 10 वर्षों में नहीं भरी गई हैं, उनको भरने, संविदा कर्मियों को नियमित करने, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समुदाय के लोगों को, पढ़ाई के लिए छात्रवृत्ति, निजी शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण, केंद्र सरकार के बजट का उपयोग 90 फ़ीसदी समुदाय की आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए वितरण करने आदिवासियों को वन अधिकार अधिनियम 2006 के अंतर्गत जल, जंगल और जमीन के अधिकार, ग्राम और जिला सरकार का सशक्तिकरण, मुफ्त शिक्षा, भारत में पैदा हुए सभी लोगों के लिए समान अवसर, सभी धर्म के लोगों के लिए समान मानव अधिकार और धार्मिक स्वतंत्रता, अल्पसंख्यकों के मौलिक अधिकारों को बरकरार रखना। भाषा के आधार पर संरक्षण, वरिष्ठ नागरिकों विधवाओं और दिव्यांगों के लिए ₹1000 प्रति माह की पेंशन, वरिष्ठ नागरिकों को विशेष अधिकार, बिना किसी भेदभाव के स्वास्थ्य व्यवस्था, गंभीर बीमारियों में 25 लाख रुपए तक के निःशुल्क इलाज की सुविधा, बेरोजगारों के लिए 1 लाख रूपये का स्टाइपेंड, प्रत्येक परिवार की गरीब महिला को ₹100000 सालाना की आर्थिक मदद, किसानो और गरीबों की कर्ज माफी, जैसे कई प्रावधान कांग्रेस ने घोषणा पत्र में किए हैं। किसानों की कर्ज माफी और कृषि उत्पादन की एमएसपी तय करने का प्रावधान घोषणा पत्र में किया है।

भारतीय जनता पार्टी ने पिछले 10 साल से हिंदुत्व और धार्मिक ध्रुवीकरण के सहारे चुनाव जीतने का काम किया है। आर्थिक दृष्टि से 90 फ़ीसदी आबादी 2014 की तुलना में और गरीब हुई है। केंद्र सरकार को 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज देना पड़ रहा है। लोगों की क्रय शक्ति कम हो रही है। बेरोजगारी दिनों-दिन बढ़ रही है। सरकारी नौकरी के स्थान पर संविदा नियुक्ति पिछले 10 सालों में दी जा रही है। सेना, रेलवे और बैंक की भर्ती बंद है। केंद्र एवं राज्य सरकारों के रिक्त पद खाली पड़े हुए हैं। ऐसी स्थिति में कांग्रेस ने 80-20 का मुकाबला अब 90-10 से करने की रणनीति तैयार की है। इसमें कांग्रेस सफल होती हुई नजर आ रही है। पहली बार भाजपा को कांग्रेस की बिछाई गई बिसात पर चुनाव लड़ना पड़ रहा है। 2014 और 2019 के चुनाव में भाजपा ने जो वादे किए थे, वे वादे पूरे नहीं हुए। अच्छे दिन आए नहीं, महंगाई कम नहीं हुई और भी जो वादे थे वे पूरे नहीं हुए। बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है। महंगाई पर सरकार का कोई नियंत्रण नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के नेता कांग्रेस के चुनाव घोषणा पत्र पर हमलावर हैं। भाजपा अपने ढंग से कांग्रेस के घोषणा पत्र की व्याख्या कर रही है। पिछले 10 वर्षों में आर्थिक, धार्मिक और सामाजिक रूप से जो परिवर्तन आए हैं, उसको देखते हुए 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने प्रथम चरण के मतदान में ही बाजी मार ली है। 100 फ़ीसदी जाति और समुदाय की जनगणना एवं आर्थिक सर्वेक्षण करके सरकार के बजट का 90 फ़ीसदी हिस्सा 90 फ़ीसदी लोगों के सामाजिक एवं आर्थिक आधार पर देने का उल्लेख कांग्रेस ने घोषणा पत्र में किया है। 80 फ़ीसदी हिंदुत्व को एक झटके में कांग्रेस ने कई हिस्सों में बांट दिया है। 2024 के लोकसभा चुनाव के प्रचार में इसका असर दिख रहा है। कांग्रेस और इंडिया गठबंधन की ओर मतदाता आकर्षित हो रहा है। भारतीय जनता पार्टी ने पिछले 10 वर्षों में जो बड़े-बड़े वायदे किए उन्हें पूरा नहीं किया जिससे मतदाताओं के बीच में प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा की लोकप्रियता घटी है। इसका फायदा इंडिया गठबंधन को मिलता हुआ दिख रहा है। जो भाजपा की चिंता का सबसे बड़ा कारण बन गया है।

एफएसएसएआई एकत्र कर रहा नेस्ले के सेरेलैक के नमूनेः सीईओ

नई दिल्ली । भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने गुरुवार को कहा कि वह नेस्ले के शिशु आहार सेरेलैक के भारत से नमूने एकत्र कर रहा है। हाल ही में एक रिपोर्ट में कहा गया था कि कंपनी उत्पाद में अधिक चीनी डाल रही है। एफएसएसएआई के एक वे रिष्ठ अधिकारी ने खाद्य सुदृढ़ीकरण पर एसोचैम के एक कार्यक्रम के मौके पर कहा कि हम देश भर से नेस्ले के सेरेलैक शिशु आहार के नमूने एकत्र कर रहे हैं। प्रक्रिया पूरी होने में 15-20 दिन लगेंगे। एफएसएसएआई स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन एक वैधानिक निकाय है। स्विट्जरलैंड के गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) पब्लिक आई और इंटरनेशनल बेबी फूड एक्शन नेटवर्क (आईबीएफएएन) ने हाल ही में अपनी एक रिपोर्ट में कहा कि नेस्ले ने यूरोप के अपने बाजारों की तुलना में भारत सहित कम विकसित दक्षिण एशियाई देशों, अफ्रीकी तथा लैटिन अमेरिकी देशों में अधिक चीनी वाले शिशु उत्पाद बेचे। रिपोर्ट तैयार करने के लिए विभिन्न देशों में बेचे जाने वाले करीब 150 विभिन्न शिशु उत्पादों का अध्ययन किया गया। रिपोर्ट के अनुसार छह महीने के बच्चों के लिए नेस्ले का गेहूं आधारित उत्पाद सेरेलैक ब्रिटेन तथा जर्मनी में बिना किसी अतिरिक्त चीनी के बेचा जाता है, लेकिन भारत से विश्लेषण किए गए 15 सेरेलैक उत्पादों में एक बार के खाने में औसतन 2.7 ग्राम चीनी थी। हालांकि नेस्ले इंडिया ने कहा कि उसने पिछले पांच वर्षों में भारत में शिशु आहार उत्पादों में चीनी में 30 प्रतिशत तक की कमी की है।

भारतीय बाजार में सेनहैजर ने नया इयरबडस उतारा

मुंबई । सेनहैजर के नए इयरबड्स मोमेंटम ट्रू वायरलेस 4 को भारतीय बाजार में लॉन्च कर दिया गया है। यह एक लेटेस्ट जनरेशन वाला फ्लैगशिप इयरबड्स है। इसकी कीमत 18,990 रुपये है। इयरबड्स ब्लैक कॉपर और मेटालिक सिल्वर और ग्रेफाइट कलर ऑप्शन में आएगा। इयरबड्स की प्री-बुकिंग 24 अप्रैल से शुरू हो गई है। इयरबड्स की बिक्री 1 मई 2024 से होगी। इसे अमेजन और लीडिंग आउटलेट स्टोर से खरीदा जा सकेगा। इस इयरबड्स में प्रीमियम टेक्नोलॉजी दी गई है। इसमें करीब एक दर्जन अपग्रेड्स और फ्यूचर फेसिंग टेक्नोलॉजी जैसे स्नैपड्रैगन साउंड टेक्नोलॉजी के साथ क्वालकॉम सपोर्ट दिया गया है। इयरबड्स में ऑराकॉस्ट और अल्ट्रा लो लेटेंसी मोड दिया गया है। इयरबड्स में हाई परफॉर्मेंस ऑडियो एक्सपीरिएंस दिया गया है।- इस सीरीज में हाई रेजोल्यूशन स्ट्रीमिंग सुविधा दी गई है। इयरबड्स में ब्लूटूथ 5.4 नेक्स्ट जनरेशन परफॉर्मेंस दिया गया है। इयरबड्स में ब्लूटूथ एलई ऑडियो के साथ एलसी 3 और ऑराकॉस्ट सुविधा दी जाएगी।

हैप्पीएस्ट माइंड्स 779 करोड़ में प्योरसॉफ्टवेयर का करेगी अधिग्रहण

नई दिल्ली ।

आईटी कंपनी हैप्पीएस्ट माइंड्स टेक्नोलॉजीज लिमिटेड 779 करोड़ रुपये में प्योरसॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजीज का अधिग्रहण करने पर विचार कर रही है। कंपनी ने एक बयान में बताया कि हैप्पीएस्ट माइंड्स टेक्नोलॉजीज ने 779 करोड़ रुपये की कुल खरीद पर प्योरसॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड की 100 प्रतिशत शेयर पूंजी हासिल करने के लिए निश्चित समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। हैप्पीएस्ट के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हैप्पीएस्ट माइंड्स परिवार में प्योरसॉफ्टवेयर दल का स्वागत करते हुए मुझे खुशी हो रही है कि इस अधिग्रहण के जरिए हैप्पीएस्ट का लक्ष्य बीएफएसआई और स्वास्थ्य सेवा व जीवन विज्ञान क्षेत्रों में अपनी क्षमताओं को मजबूत करना है। प्योरसॉफ्टवेयर का नोएडा में मुख्यालय है और इसकी वैश्विक स्तर पर उपस्थिति है। यह केंद्रित क्षेत्रों में वैश्विक उद्यमों के साथ साझेदारी करता है जिसमें बैंकिंग तथा वित्तीय सेवाएं व बीमा (बीएफएसआई), स्वास्थ्य सेवा और जीवन विज्ञान, खुदरा तथा रसद के साथ ही गेमिंग और मनोरंजन शामिल हैं।

भारत में उच्च खाद्य मुद्रास्फीति भविष्य में कम गंभीर होगीः आरबीआई

नई दिल्ली ।

आरबीआई मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के एक सदस्य ने कहा कि भारत में उच्च खाद्य मुद्रास्फीति की समस्या भविष्य में कम गंभीर होगी, क्योंकि विविध स्रोतों के साथ आधुनिक आपूर्ति श्रृंखलाएं विशिष्ट खाद्य पदार्थों की कीमतों में अचानक बढ़ोतरी से निपटने में मदद कर सकती हैं। भारत में घरेलू बजट में भोजन की हिस्सेदारी अधिक होने की बात पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि नीति के कृषि उत्पादकता बढ़ाने पर केंद्रित होने की जरूरत है, क्योंकि स्थिर कृषि कीमतें मुद्रास्फीति से परे वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे भारत विकसित होगा, इस उच्च खाद्य मुद्रास्फीति की गंभीरता कई कारणों से कम होती जाएगी। विविध स्रोतों वाली आधुनिक आपूर्ति श्रृंखलाएं विशिष्ट वस्तुओं के दाम बढ़ने पर उनसे निपटने में मदद करेंगी। किसी ने भी उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में टमाटर या प्याज की कीमतों में बढ़ोतरी के बारे में नहीं सुना है। उन्होंने कहा कि हमारे पास स्वाभाविक रूप से विविध भौगोलिक क्षेत्र हैं, विभिन्न क्षेत्रों से बेहतर एकीकृत बाजार जलवायु परिवर्तन से प्रेरित खाद्य कीमतों में बढ़ोतरी को कम करने में मदद कर सकते हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार मार्च में खुदरा मुद्रास्फीति घटकर पांच महीने के निचले स्तर 4.85 प्रतिशत पर आ गई, जिसका मुख्य कारण खाद्य पदार्थों की कीमतें कम होना रहा। खाद्य पदार्थों की मुद्रास्फीति मार्च में 8.52 प्रतिशत रही, जो फरवरी में 8.66 प्रतिशत थी। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने हाल ही में कहा था कि मुद्रास्फीति 2024-25 में घटकर 4.5 प्रतिशत हो जाएगी। यह 2023-24 में 5.4 प्रतिशत और 2022-23 में 6.7 प्रतिशत थी।

कोटक महिंद्रा बैंक के नए क्रेडिट कार्ड जारी करने पर रोक

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने आईटी मानदंडों का बार-बार अनुपालन न करने की वजह से कोटक महिंद्रा बैंक को ऑनलाइन एवं मोबाइल बैंकिंग के जरिये नए ग्राहक जोड़ने और क्रेडिट कार्ड जारी करने से तत्काल प्रभाव से रोक दिया। आरबीआई ने कहा कि कोटक महिंद्रा बैंक के आईटी जोखिम प्रबंधन, सूचना सुरक्षा संचालन में गंभीर कमियां पाए जाने पर ये कार्रवाइयां की गई हैं। बयान के मुताबिक, वर्ष 2022 और 2023 के लिए बैंक की सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) जांच से उत्पन्न महत्वपूर्ण चिंताओं और इन चिंताओं से समय पर तथा सही तरीके से निपटने में बैंक के लगातार नाकाम रहने के बाद यह कदम उठाना जरूरी हो गया था। आरबीआई ने दिसंबर, 2020 में बार-बार प्रौद्योगिकी संबंधी खराबी सामने आने पर एचडीएफसी बैंक पर भी नए कार्ड जारी करने और नई डिजिटल पहल शुरू करने पर रोक लगा दी थी।

टाटा कंज्यूमर का मुनाफा 26 फीसदी घटा

नई दिल्ली ।

टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स टाटा नमक और चाय जैसे कई प्रोडक्ट्स बनाती है। टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड ने मार्च तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया है कि वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में उसका मुनाफा 26.69 प्रतिशत की गिरावट के साथ 212.26 करोड़ रुपये रह गया। नतीजे के साथ-साथ निवेशकों को बोर्ड ने 775 फीसदी (7.75 रुपये) फाइनल डिविडेंड का ऐलान किया है। वहीं टाटा एलेक्सी का मार्च में समाप्त चौथी तिमाही में मुनाफा 2.2 फीसदी घटकर 196.93 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 201.51 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी का मुनाफा 1215.4 करोड़ रुपये था। इससे पहले वित्त वर्ष में 1320.14 करोड़ रुपये था। इस दौरान आय 15,205.85 करोड़ रुपये रही। इससे पूर्व वित्त वर्ष 2022-23 में यह 13,783.16 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने बताया` कि मुख्य रूप से ज्यादा खर्च होने के कारण कंपनी का मुनाफा कम हुआ है। इस गिरावट की वजह विलय, अधिग्रहण की लागत और वित्तीय साधनों पर मूल्य नुकसान आदि कई कारण रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक` वित्त वर्ष 24 की चौथी तिमाही के दौरान टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स ने 29 नए स्टोर खोले और 6 नए शहरों में प्रवेश` किया। इस वर्ष सबसे ज्यादा 95 स्टोर जोड़े गए।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी बैंकिग के साथ ही एसबीआई के शेयरों में खरीददारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 486.50 अंक करीब 0.66 फीसदी बढ़कर साथ 74,339.44 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों पर आधारित नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 167.95 अंक तकरीबन 0.75 फीसदी ऊपर आकर 22,570.35 अंक पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान एक्सिस बैंक , एसबीआई, डॉ रेड्डीज लैब, जेएसडब्ल्यू स्टील और नेस्ले इंडिया निफ्टी के सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे। वहीं कोटक महिन्द्रा बैंक , एलटीआई माइंडट्री, एचयूएल, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस और टाइटन के शेयर गिरे हैं। वहीं गत दिवस भी बाजार तेजी के साथ बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत कमजोरी के साथ हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 296.79 अंक गिरकर 73,556.15 पर आ गया। वहीं दूसरी तरफ निफ्टी 97.15 अंक गिरकर 22,305.25 पर आ गया। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से एक्सिस बैंक ने 3 प्रतिशत की बढ़त हासिल की। एचसीएल टेक्नोलॉजीज, एचडीएफसी बैंक और आईटीसी के शेयर लाभ में कारोबार कर रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा कोटक महिंद्रा बैंक को नए क्रेडिट कार्ड जारी करने से रोकने के बाद बैंक के शेयर 9 फीसदी से अधिक गिरकर 1,673 रुपये पर आ गया। आज कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 300 अंक से ज्यादा की बढ़त हासिल कर फिर से 74,000 पार निकल गया था। सेंसेक्स में गुरुवार को 73,788.61 और 74,121.61 के रेंज में कारोबार हुआ। वहीं दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में भी 34.40 की बढ़त दर्ज की गई थी।

पीएम शहबाज से कारोबारियों ने भारत से व्यापार वार्ता शुरू करने का किया आग्रह

इस्लामाबाद ।

पाकिस्तान के कारोबारियों ने देश के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से व्यापार तथा वाणिज्य को बढ़ावा देने के लिए भारत के साथ व्यापार वार्ता शुरू करने का आग्रह किया है। शरीफ के साथ एक संवाद सत्र में उन्होंने यह आग्रह किया, जिससे नकदी संकट से जूझ रहे देश की अर्थव्यवस्था को काफी फायदा होगा। पाकिस्तान की वाणिज्यिक राजधानी में सिंध सीएम हाउस में एक घंटे की बैठक के दौरान कई बड़े सवाल उठे। कराची के व्यापारिक समुदाय ने आर्थिक मुद्दों से निपटने के लिए प्रधानमंत्री के दृढ़ संकल्प की सराहना की, लेकिन साथ ही उन्हें अर्थव्यवस्था की बेहतरी के लिए राजनीतिक स्थिरता लाने पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह भी दी। एक समाचार पत्र की खबर के अनुसार, प्रधानमंत्री ने निर्यात के जरिए अर्थव्यवस्था को ऊपर उठाने के तरीके तलाशने के लिए व्यापारिक समुदाय के साथ बैठक की। हालांकि, उनके संकल्प को उद्योग जगत के लोगों की आशंकाओं का सामना करना पड़ा, जिन्होंने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में खासकर उच्च ऊर्जा लागत और असंगत सरकारी नीतियां के साथ व्यापार करना लगभग असंभव है। प्रधानमंत्री के संक्षिप्त भाषण के बाद सवाल-जवाब शुरू किए गए। इस दौरान व्यापार जगत के लोगों ने सरकार के हालिया कदमों की सराहना की, लेकिन और अधिक कदम उठाने की मांग की। उन्होंने वांछित परिणाम हासिल करने के लिए आर्थिक नीतियों पर प्रस्ताव भी साझा किए। पूंजी बाजार की दिग्गज कंपनी आरिफ हबीब समूह के प्रमुख आरिफ हबीब ने कहा कि कार्यभार संभालने के बाद आपने कुछ समझौते किए हैं, जिनके अच्छे परिणाम आए हैं और आईएमएफ सौदे पर प्रगति उनमें से एक है। उन्होंने कहा कि मेरा सुझाव है कि आप कुछ और समझौते करें। उनमें से एक भारत के साथ व्यापार को लेकर है, जिससे हमारी अर्थव्यवस्था को काफी फायदा होगा। दूसरा आपको अदियाला जेल के निवासी के साथ भी हाथ मिलाना चाहिए। उस स्तर पर भी चीजों को ठीक करने का प्रयास करें और मुझे विश्वास है कि आप यह कर सकते हैं।

ऑडी जून से वाहनों की कीमत दो प्रतिशत बढ़ाएगी

नई दिल्ली । जर्मनी की वाहन विनिर्माता ऑडी ने कच्चे माल की बढ़ती कीमत के प्रभाव को कम करने के लिए जून से भारत में अपने विभिन्न मॉडल की कीमतों में दो प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करने की घोषणा की। वाहन विनिर्माता ने कहा कि एक जून 2024 से बढ़ी हुई कीमतें प्रभावी होंगी। ऑडी इंडिया के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि कच्चे माल की बढ़ती लागत हमें एक जून 2024 से कीमतों में दो प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करने के लिए मजबूर कर रही है। उन्होंने कहा कि इस कदम का मकसद वाहन विनिर्माता और उसके डीलर भागीदारों की सतत वृद्धि सुनिश्चित करना है। अे धिकारी ने कहा कि हमारी पूरी कोशिश है कि बढ़ती लागत का असर हमारे ग्राहकों पर यथासंभव कम से कम पड़े। ऑडी इंडिया की खुदरा बिक्री

इंश्योरेंस कराते समय गाड़ी के इंजन टाइप का ध्यान रखना जरुरी

-ऐसे प्लान लें जो आपकी पूरी गाड़ी को कवर कर सके

नई दिल्ली। इंश्योरेंस पॉलिसी खरीदते समय कोई छोटी सी भी गलती हो जाए तो क्लेम लेने में मुश्किल आ जाती है। ऐसे में आपको ऑटो इंश्योरेंस को समझना बहुत जरूरी है जिससे कि आपको इंश्योरेंस का क्लेम लेने में किसी समस्या का सामना न करना पड़े। ऑटो इंश्योरेंस कराते समय आपको गाड़ी के इंजन टाइप पर पूरा ध्यान रखना चाहिए कि वह पेट्रोल, डीजल या ईवी है। अगर आपकी ईवी या फिर हाइब्रिड है तो आपको ये जरूर जांचना चाहिए कि इंश्योरेंस में चार्जिंग केबल, कनैक्टर्स, एडाप्टर आदि भी कवर होना चहिए। इसमें आग लगना और चोरी जरूर शामिल होनी चाहिए। कवरेज का भी इंश्योरेंस में काफी महत्व होता है। ऐसे में आपको हमेशा ऐसे प्लान लेना चाहिए जो आपकी पूरी गाड़ी को कवर कर सके। आपको हमेशा कॉम्प्रीहेंसिव कवरेज प्लान चुनना चाहिए। इसमें ज्यादा कवरेज मिलता है। वहीं, अगर आप थर्ड पार्टी कवरेज लेते हैं तो इसमें गाड़ी कवर नहीं होती है। ऑटो इंश्योरेंस में आपको इंश्योरेंस डिक्लेयर्ड वैल्यू (आईडीवी) का खास ध्यान रखना होता है। आपको उन्हीं इंश्योरेंस को प्राथमिकता देनी चाहिए, जो आपको अधिकतम आईडीवी वैल्यू देते हैं। आईडीवी वह वैल्यू होती है, जिस पर कंपनियां आपको क्लेम देती है।

इंश्योरेंस में ऐड ऑन कवरेज जैसे ब्रेकडाउन एसिसटेंस, टायर प्रोटेक्शन, इंजन और गेयरबॉक्स प्रोटेक्शन जैसे प्लान को शामिल करना चाहिए। आपको ऐसी कंपनी का चुनाव करना चहिए, जिसका क्लेम सेटेलमेंट रेश्यो सबसे अधिक है। आपको क्लेम प्रोसेस के बारे में भी जानकारी होनी चाहिए और ऐसे इंश्योरेंस का चुनाव करना चाहिए जो सेल्फ इंस्पेक्शन क्लेम की सुविधा देता हो।आज के समय आपको ज्यादातर कंपनियों की ओर से कैशलैस गैराज की सुविधा दी जाती है। इसका फायदा यह है कि अगर गाड़ी को कोई नुकसान होता है तो गैराज में बिना पैसे दिए गाड़ी को रिपेयर करवा सकते हैं।

बिहार में पेट्रोल और डीजल सस्ता

नई दिल्ली ।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में गुरुवार को कोई बदलाव नहीं हुआ है। जबकि देश के कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी की गई है। कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल सस्ता भी हुआ है। सरकारी तेल कंपनियों ने गुरुवार को भी सभी महानगरों में पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर ही रखी हैं। गुरुवार को बिहार में पेट्रोल-डीजल सस्ता हो गया है। यहां पेट्रोल के दाम 19 पैसे घटकर 107.12 रुपये प्रति लीटर और डीजल 18 पैसे घटकर 93.84 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। महाराष्ट्र में पेट्रोल की कीमत 67 पैसे घटकर 103.87 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 63 पैसे घटकर 90.42 रुपये प्रति लीटर हो गई है। इसके अलावा आंध्रप्रदेश, असम, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, कर्नाटक, ओडिशा, पंजाब, तामिलनाडु , तेलंगाना और पश्चिम बंगाल में भी पेट्रोल-डीजल की कीमतें घटी हैं। नई दिल्ली में पेट्रोल

की कीमत 94.72 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 87.62 रुपये है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये और डीजल की कीमत 92.15 रुपये है। कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 90.76 रुपये प्रति लीटर है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये प्रति लीटर और डीजल के दाम 92.34 रुपये प्रति लीटर है।

एचयूएल का मुनाफा 1.6 फीसदी घटा

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख एफएमसीजी कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) के वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही के मुनाफे में गिरावट आई है लेकिन यह बाजार की उम्मीद से थोड़ा बेहतर रहा है। वित्त वर्ष 2024 की जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी का मुनाफा 1.6 फीसदी घटकर 2,558 करोड़ रुपये रहा, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 2,600 करोड़ रुपये था। एचयूएल की आय वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही में महज 0.6 फीसदी बढ़कर 15,041 करोड़ रुपये रही, वहीं बिक्री में सालाना आधार पर केवल 2 फीसदी की वृद्धि देखी गई। एक खबर के अनुसार विश्लेषकों ने वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही में 2,517.2 करोड़ रुपये मुनाफे और 15,156.7 करोड़ रुपये आय का अनुमान लगाया था। वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही की तुलना में चौथी तिमाही में आय 1.7 फीसदी घटी है जबकि मुनाफा 2 फीसदी बढ़ा है। वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही में एचयूएल का कुल खर्च 1.15 फीसदी बढ़कर 12,100 करोड़ रुपये हो गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 11,962 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2024 की मार्च तिमाही में एचयूएल का सकल मार्जिन 350 आधार अंक सुधरा है और विज्ञापन तथा प्रचार पर कंपनी का खर्च 200 आधार अंक बढ़ा है। एचयूएल के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने एक रुपये के अंकित मूल्य वाले शेयर पर 24 रुपये प्रति शेयर का अंतिम लाभांश देने का प्रस्ताव रखा। इसके लिए साधारण आम बैठक में शेयरधारकों की मंजूरी जरूरी होगी। पूरे वित्त वर्ष 2024 में कंपनी का मुनाफा 10,277 करोड़ रुपये रहा जो वित्त वर्ष 2023 में 10,120 करोड़ रुपये था। कंपनी की कुल आय बीते वित्त वर्ष 62,707 करोड़ रुपये रही जो इससे एक साल साल पहले 2022-23 में 61,092 करोड़ रुपये थी। अे धिकारी ने कहा` कि मांग में धीरे सुधार दिख रहा है। हमारा मानना है कि बाजार धीरे-धीरे सामान्य स्थिति में आ जाएगा।

स्मार्टफोन, चार्जर पड सकता है काफी महंगा

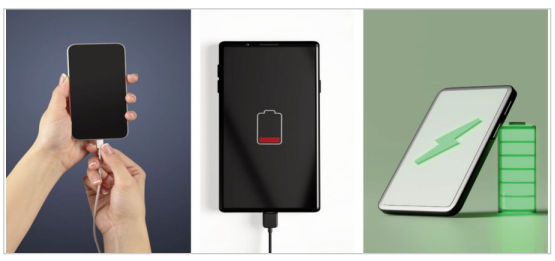

-ले रहे इंसानों की जान, मीठे जहर जैसा है इनका असर

नईदिल्ली । कई बार लोग सस्ते के चक्कर में कोई भी स्मार्टफोन, चार्जर या फिर अन्य स्मार्टफोन एसेसरीज खरीद लेते हैं, जिसका उन्हें नुकसान उठाना पड़ सकता है। कई बार इस तरह की आदतों की वजह से लोगों की जान तक जा चुकी है। ऐसे में स्मार्टफोन खरीदते वक्त आपको कुछ बातों का ख्याल रखना चाहिए। हालांकि स्मार्टफोन और सोशल मीडिया की लत से तनाव, चिंता, अवसाद और नींद की कमी जैसी समस्याएं पैदा हो रही हैं। रिपोर्ट की मानें, तो ज्यादा देर तक फोन देखने से आंखों में थकान, सिरदर्द और गर्दन में दर्द हो सकता है। इसके अलावा यूजर्स खराब डिस्प्ले वाला फोन सस्ते के चक्कर में खरीद लेते हैं, जिससे निकलने वाली ब्लू लाइट से नींद न आने की समस्या बढ़ रही है। फोन पर ज्यादा समय बिताने से लोगों के रिश्तों में तनाव और अकेलापन हो सकता है, जिससे सुसाइड जैसी घटनाएं हो रही है। हमेशा किसी अच्छे ब्रांड का फोन लेना चाहिए, क्योंकि खराब बैटरी या चार्जर से फोन में विस्फोट की घटनाएं हो चुकी हैं, जिससे लोगों की जान तक जा चुकी है। हमेशा किसी अच्छे ब्रांड का स्मार्टफोन और चार्जर लेना चाहिए।सोशल मीडिया और फोन इस्तेमाल का वक्त सीमित करना चाहिए।फोन को गर्मी और पानी से दूर रखना चाहिए। हम सबको मिलकर फोन के इस्तेमाल को समझदारी से करना चाहिए ताकि ये हमारी जान न ले सकें।फोन के ज्यादा इस्तेमाल से हीटिंग की समस्या आती है, जिससे फोन में आग लग सकती है। किसी भी ब्रांड का स्मार्टफोन लेन से बिजली का झटका लग सकता है, क्योंकि उसमें खराब वायरिंग या पानी में गिरने से फाल्ट हो सकता है। ऐसे में हमेशा अच्छी डिस्प्ले वाले फोन खरीदने चाहिए।

आईपीएल 2024 : पंजाब किंग्स पर जीत के इरादे से उतरेगी केकेआर

कोलकाता (एजेंसी)। आईपीएल में शुक्रवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) अपने घरेलू मैदान पर पंजाब किंग्स को हराकर अपनी जीत की लय बनाये रखने उतरेगी। केकेआर 10 अंक लेकर तालिका में दूसरे स्थान पर है और जीत की प्रबल दावेदार है। उसके इस सत्र में गेंदबाजी और बल्लेबाजी में शानदार प्रदर्शन किया है। वहीं दूसरी ओर पंजाब किंग्स की टीम अब तक बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पायी है। केकेआर की अब तक की सफलता में उसके शीर्षक्रम के बल्लेबाजों की अहम भूमिका रही है हालांकि उसके तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क अब तक इस टूर्नामेंट में और ऐसे में केकेआर उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगी। स्टार्क के पास इसलिए भी अच्छा अवसर है क्योंकि पंजाब किंग्स के बल्लेबाज फार्म में नहीं हैं। कप्तान शिखर धवन के अलावा निचले क्रम पर शशांक सिंह और आशुतोष ने भी अच्छी बल्लेबाजी की है। पंजाब की टीम के 4 अंक हैं और वह प्लेआफ की दौड़ से तकरीबन बाहर हो गयी है। धवन का खेलना इस मैच में उनकी फिटने पर आधारित रहेगा। धवन पिछले दिनों कंधे में चोट लगने के कारण बाहर हो गये थे हालांकि अभ्यास सत्र में वह शामिल हुए जिससे उनके खेलने की उम्मीद हैं।

केकेआर की बल्लेबाजी सलामी बल्लेबाज सुनील नारायण, फिल साल्ट के अलावा आंद्रे रसेल और कप्तान श्रेयस अय्यर पर आधारित रहेगी। इसके अलावा उसके पास रिंकू सिंह जैसा आक्रामक बल्लेबाज भी निचले क्रम पर है। अभी तक टीम के प्रमुख बल्लेबाजों ने 150 से अधिक के स्ट्राइक रेट से रन बनाये हैं जिससे टीम बड़े स्कोर बनाने में सफल रही है। उसने अधिकतर मैचों में 200 से अधिक रन बनाये हैं। वेंकटेश अय्यर अब तक अधिक रन नहीं बना पाये है, ऐसे में उनका लक्ष्य इस मैच में बड़ी पारी खेलना चाहेंगे। टीम को इस मैच में नीतिश राणा की कमी खलेगी। नीतिश अच्छे बल्लेबाज होने के साथ ही स्पिनर भी हैं। .

केकेआर की गेंदबाजी अब तक उम्मीद के अनुसार नहीं रही है जिसमें वह लय हासिल करने का प्रयास करेगी। अब तक केवल सुनील नरेन ही कुछ हद तक प्रभावित कर पाये हैं।

उनका इकॉनॉमी रेट 7 के करीब रहा है हालांकि पिछले मैच में वह बल्लेबाजों पर अंकुश नहीं लगा पाये थे। अब पंजाब की उम्मीदों धवन के अलावा शशांक और आशुतोष पर रहेंगी।

पंजाब को इस मैच में अगर जीत दर्ज करनी है तो उसे केकेआर की कमजोर गेंदबाजी का लाभ उठाकर आक्रमक बल्लेबाजी करनी होगी। उसके पास शीर्षक्रम में प्रभसिमरन सिंह, लियाम लिविंगस्टोन, रिली रोसोयू और जॉनी बेयरस्टो जैसे बेहतरीन बल्लेबाज हैं जिनका बल्ला अब तक खामोश रहा है। इन इनके पास इस मैच में रन बनाकर फार्म हासिल करने का अवसर है।

टीम

कोलकाता नाइट राइडर्स- श्रेयस अय्यर (कप्तान), केएस भरत, रहमानुल्लाह गुरबाज, रिंकू सिंह, अंगकृष रघुवंशी, शेरफेन रदरफोर्ड, मनीष पांडे, आंद्रे रसेल, नितीश राणा, वेंकटेश अय्यर, अनुकूल रॉय, रमनदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, सुनील नारायण, वैभव अरोड़ा, चेतन सकारिया, हर्षित राणा, सुयश शर्मा, मिशेल स्टार्क, दुष्मंता चमीरा, साकि हुसैन और मुजीब उर रहमान।

पंजाब किंग्स-शिखर धवन (कप्तान), मैथ्यू शॉर्ट, प्रभसिमरन सिंह, जितेश शर्मा, सिकंदर रजा, ऋषि धवन, लियाम लिविंगस्टोन, अथर्व टाइडे, अर्शदीप सिंह, नाथन एलिस, सैम कुरेन, कागिसो रबादा, हरप्रीत बरार, राहुल चाहर, हरप्रीत भाटिया, विद्वथ कावेरप्पा, शिवम सिंह, हर्षल पटेल, क्रिस वोक्स, आशुतोष शर्मा, विश्वनाथ प्रताप सिंह, शशांक सिंह, तनय त्यागराजन, प्रिंस चौधरी और रिली रोसोयू।

उसेन बोल्ट बने टी20 विश्व कप के ब्रॉन्ड एंबेसडर, बोले- चाहूंगा विंडीज जीते

मुंबई (एजेंसी)। दुबई = अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने महान धावक उसेन बोल्ट को एक से 29 जून तक वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेले जाने वाले आगामी टी20 विश्व कप का ब्रांड दूत नियुक्त किया। जमैका में जन्में बोल्ट ने 2008 में बीजिंग में हुए ओलंपिक खेलों में इतिहास रचा था, जहां उन्होंने विश्व रिकॉर्ड समय में 100 मीटर, 200 मीटर और 4 गुणा 100 मीटर दौड़ जीती थी। बोल्ट के नाम वर्तमान में 100 मीटर, 200 मीटर और 4 गुणा 100 मीटर में क्रमशः 9.58 सेकंड, 19.19 सेकंड और 36.84 सेकंड के समय के साथ विश्व रिकॉर्ड हैं। बोल्ट विश्व कप के अपने देश आने और अपनी नयी भूमिका को लेकर उत्साहित है।

आईसीसी से जारी विज्ञप्ति में बोल्ट ने कहा कि मैं आगामी आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप का दूत बनकर रोमांचित हूं। कैरेबियाई देशों क्रिकेट जीवन का एक हिस्सा है, इस खेल के लिए हमेशा मेरे दिल में एक विशेष स्थान रहा है। बोल्ट ने कहा कि क्रिकेट के लिए अमेरिका में बाजार ढूंढना बहुत बड़ी बात होगी। उन्होंने कहा कि मैं विश्व कप में वेस्टइंडीज का समर्थन करूंगा, लेकिन इस खेल को अमेरिका में लाना क्रिकेट के लिए बड़ी बात है। यह दुनिया का सबसे बड़ा खेल बाजार है। उन्होंने कहा कि टी20 विश्व कप के लिए हम जो ऊर्जा लाएंगे वह 2028 में एलए ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल करने की दिशा में एक बड़ा मौका बनाएगा।

आईपीएल अंक तालिका में एक स्थान ऊपर आयी दिल्ली कैपिटल्स

-ऋषभ पंत ऑरेंज कैप के दावेदारों में तीसरे नंबर पर पहुंचे

मुम्बई (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स की टीम गुजरात टाइटंस के खिलाफ आईपीएल मुकाबले में मिली जीत के साथ ही एक साथ का लाभ हुआ है और वह छठे स्थान पर आ गयी है। वहीं गुजरात की टीम सातवें नंबर पर खिसक गयी है। दिल्ली कैपिटल्स के अब 9 मैचों में आठ अंक हैं पर -0.386 के बेहतर नेट रन रेट के कारण वह रैंकिंग में गुजरात से ऊपर आ गयी है। गुजरात की टीम अंक तालिका में नौ मैचों में 8 अंकों के साथ ही छठे से खिसककर सातवें स्थान पर पहुंच गयी है। वहीं अंक तालिका में अभी राजस्थान रॉयल्स 14 अंकों के साथ शीर्ष पर है जबकि 10-10 अंक लेकर कोलकाता नाइट राइडर्स, सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपर जाइंट्स दूसरे, तीसरे और चौथे नंबर पर है। चेन्नई के 8 मैचों में 8 अंक हैं जिस कारण वह पांचवें स्थान पर है। मुंबई इंडियंस 6 अंक लेकर आठवें, पंजाब किंग्स 4 अंक लेकर नौवें और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 2 अंक लेकर 10वें स्थान पर है। ऑरेंज कैप के दावेदारों में आरसीबी के विराट कोहली सबसे ज्यादा रन बनाकर सबसे बड़े दावेदार बने हुए हैं। विराट के 379 रन हैं, दूसरे नंबर पर सीएसके के रुतुराज गायकवाड़ हैं उनके 349 रन हैं जबकि गुजरा के खिलाफ धमाकेदार पारी खेलकर 88 रन बनाने के साथ ही दिल्ली के कप्तान ऋषभ पंत कुल 342 रनों के साथ ही तीसरे नंबर पर आ गये हैं। पर्पल कैप की सूची में मुंबई इंडियंस के जसप्रीत बुमराह 13 विकेट लेकर पहले जबकि राजस्थान रॉयल्स के युजवेंद्र चहल 13 विकेट लेकर दूसरे नंबर हैं। पंजाब किंग्स के हर्षल पटेल भी 13 विकेट, तीसरे नंबर पर हैं। औसत और इकोनॉमी में बेहतर होने के कारण बुमराह और चहल को पहला और दूसरा स्थान मिला है।

राहुल बनाम सैमसन, आवेश बनाम बिश्नोई या अक्षर, जल्द होगी टी20 विश्व कप टीम की घोषणा

नई दिल्ली (एजेंसी)। जून में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए भारत की 15 सदस्यीय टीम का ऐलान इस महीने के आखिर में किया जा सकता है लेकिन मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या का खराब फॉर्म चिंता का सबब बना हुआ है जबकि दूसरे विकेटकीपर की जगह के लिए संजू सैमसन से केएल राहुल आगे चल रहे हैं।

अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले विश्व कप के लिए टीम चुनते समय दुविधा अतिरिक्त गेंदबाज की भी होगी। यह देखना होगा कि तेज गेंदबाज आवेश खान को चुना जाता है या वेस्टइंडीज की धीमी पिचों को देखते हुए लेग स्पिनर रवि बिश्नोई या हरफनमौला अक्षर पटेल को। समझा जाता है कि कप्तान रोहित शर्मा चयन समिति के प्रमुख अजित अगरकर से मुलाकात कर सकते हैं।

आईसीसी ने टीम चुनने के लिए एक मई की समय सीमा दी है। बीसीसीआई इस सप्ताह के आखिर में या अगले सप्ताह की शुरूआत में टीम का ऐलान कर सकता है। पांड्या ने मुंबई इंडियंस के लिए आठ मैचों में 17 ओवर डाले हैं। अभी तक इस आईपीएल में वह सात छक्के ही लगा सके हैं। उनके बल्ले से 150 रन ही निकले हैं और उनका स्ट्राइक रेट 142 रहा है। वैसे पांड्या के अलावा कोई विकल्प भी नजर नहीं आता क्योंकि शिवम दुबे भी गेंदबाजी नहीं कर रहे हैं।

कौशल और रफ्तार के मामले में गेंदबाजी में दुबे कहीं भी पांड्या के समकक्ष नहीं हैं लेकिन बल्लेबाजी में वह शानदार फॉर्म में है जिसकी अनदेखी नहीं की जा सकती। आईपीएल में 161 की स्ट्राइक रेट से 342 रन बना चुके विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने अपनी जगह पक्की कर ली है। दूसरे विकेटकीपर के लिए केएल राहुल (141 स्ट्राइक रेट से 302 रन) और संजू सैमसन (152 स्ट्राइक रेट से 314 रन) के बीच मुकाबला है। गेंदबाजों में जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद सिराज, रविंद्र जडेजा और कुलदीप यादव की जगह लगभग पक्की है। वैसे बुमराह और कुलदीप को छोड़कर बाकी गेंदबाज आईपीएल में फॉर्म में नहीं है लिहाजा अतिरिक्त गेंदबाज का विकल्प अहम होगा।

राजस्थान रॉयल्स के तेज गेंदबाज आवेश, दिल्ली कैपिटल्स के स्पिनर अक्षर और लखनऊ सुपर जाइंट्स के लेग स्पिनर बिश्नोई के बीच मुकाबला है। आवेश ने करीब 9 की इकॉनॉमी रेट से आठ विकेट लिए हैं जबकि बिश्नोई ने 9 के भीतर की इकॉनॉमी रेट से पांच विकेट चटकाए हैं। अक्षर ने सात विकेट लिए हैं और उनकी इकॉनॉमी रेट सात के आसपास रही है। वह बल्लेबाजी में भी 132 की स्ट्राइक रेट से रन बना रहे हैं।

टी20 विश्वकप से पहले भारत-पाकिस्तान मुकाबलों वाला प्रोमो जारी

मुम्बई। क्रिकेट प्रशंसकों को जून में अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी20 विश्वकप में भारत-पाकिस्तान मुकाबले का ब्रेसब्री से इंतजार है। इसी को लेकर अब टूर्नामेंट के आधिकारिक प्रसारणकर्ता स्टार स्पोर्ट्स ने एक प्रोमो वीडियो जारी किया है। टी20 विश्वकप 2 जून से शुरू होगा। इस प्रोमो वीडियो से प्रशंसक उत्साहित हैं। इसमें पिछले दो दशकों में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए अलग-अलग मैचों के अहम पलों को शामिल किया गया है। इस प्रोमो में टी20 विश्व कप के इतिहास की कई कई यादें दिखाई जा रही हैं। इस प्रोमो की शुरुआत में महेंद्र सिंह धोनी दिखाई दे रहे हैं, जो टी20 विश्व कप 2007 के समय भारतीय टीम के कप्तान थे। इसमें मिस्बाह उल हक का अंतिम स्कूप शॉट दिखाया गया है। मिस्बाह के इसी शॉट पर उछले कैच को श्रीसंत ने पकड़ा था जिससे भारत ने 2007 टी20 विश्वकप जीता था। इसके बाद पाकिस्तान के शाहीद अफरीदी और विराट कोहली नजर आते हैं। प्रोमो में रोहित , विराट को अपने कंधो पर उठाते हुए नजर आते हैं। ये तस्वीर 2022 टी20 विश्व कप की है जब विराट ने अपनी आक्रामक पारी से भारत को जीत दिलाई थी। इस मैच में विराट ने हारिस राउफ पर लगातार 2 जबरदस्त छक्के लगाए थे और मैच भारत की ओर ओर मोड़ दिया था। इसके बाद उन्होंने मोहम्मद नवाज के अंतिम ओवर में चौके-छक्के लगाकर भारत को जीत दिलाई थी। प्रोमो में इसके बाद टी20 विश्व कप का लोगो और शुरु होने की तारीख नजर आ रही है।

सहवाग बोले, धोनी को टी-20 विश्वकप के लिए शामिल किया जाना चाहिये

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने कहा है कि अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज महेन्द्र सिंह धोनी को आगामी टी20 विश्वकप के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर रखा जाना चाहिये जबकि धोनी को संन्यास लिए काफी समय हो गया है। वह अभी केवल आईपीएल खेल रहे हैं। धोनी स्वयं भी संन्यास से वापसी किसी कीमत पर नहीं करेंगे क्योंकि उन्होंने हाल ही मैं संकेत दिये थे कि अगर उनका शरीर साथ देगा तभी वह अगले सत्र में खेलेंगे। वहीं सहवाग का कहना है कि आगामी टी-20 विश्वकप में धोनी को शामिल किया जाना चाहिये। टी-20 विश्वकप एक जून से वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेला जाएगा। इसके लिए भारतीय टीम की घोषणा कुछ ही समय में होगी। सहवाग ने एक शो पर विकेटकीपर के तौर धोनी को लेकर जाने की सलाह दी है। उन्होंने कहा, आईपीएल में इस बार धोनी का 255 का स्ट्राइक रेट है और औसत है ही नहीं, क्योंकि वह आउट ही नहीं हुए हैं। 34 गेंदों में अब तक धोनी ने 87 रन बनाए हैं। इसके अलावा उनकी फिटनेस भी अभी काफी अच्छी है। सहवाग ने साथ ही कहा, टी-20 विश्वकप में कीपिंग के साथ ही धोनी अनुभवी होने के कारण अंतिम ओवरों में एक बेहतर फिनिशर की भूमिका निभा सकते हैं। अभी भी वह आईपीएल में विकेटकीपिंग और बल्लेबाजी कर रहे । गौरतलब है कि आईपीएल में अब तक धोनी ने अपनी बल्लेबाजी से प्रशंसकों का अच्छामनोरंजन किया है। धोनी ने अंतिम ओवरों में आकर अपनी तूफानी बल्लेबाजी से टीम को जीत दिलायी है। लखनऊ के खिलाफ मैच में धोनी ने केवल 9 गेंदों पर 28 रन बना दिये थे।

टी20 विश्व कप में भी खेलना चाहते हैं स्टोइनिस

चेन्नई (एजेंसी)। ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस ने कहा है कि वह केन्द्रीय अनुबंध नहीं मिलने बाद भी ऑस्ट्रेलियाई टीम की ओर से खेलना चाहते हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने इस ऑलराउंडर को 2024-25 सत्र के लिए केंद्रीय अनुबंध सूची में शामिल नहीं किया है। माना जा रहा है कि इसका कारण उनकी बढ़ती उम्र है। स्टोइनिस अभी 34 साल के हैं। ये ऑलराडर आईपीएल में अपने शानदार प्रदर्शन से उत्साहित है और आगे भी ऑस्ट्रेलिया से खेलना चाहता है। स्टोइनिस ने आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से खेलते हुए सीएसके के खिलाफ शानदार शतक लगाकर अपने को साबित किया है।अब उनका लक्ष्य आगामी टी20 विश्व कप के साथ ही आगे भी खेलना है।

वहीं गत माह सीए ने जो अनुबंध सूची जारी की थी उसमें स्टोइनिस को 23 सदस्यीय खिलाड़ियों की केंद्रीय अनुबंध

सूची से बाहर कर दिया था। स्टोइनिस हालांकि सीए अनुबंध से बाहर किये जाने को अधिक महत्व नहीं देते हैं।

इस क्रिकेटर ने कहा, 'मेरे ऑस्ट्रेलियाई कोच एंड्रयू मैकडोनल्ड के साथ अच्छे रिश्ते हैं। इस कारण से मुझे पहले से ही अनुबंध नहीं मिलने की बात पता थी। मुझे लगता है कि युवा खिलाड़ियों को अवसर देने के लिए ही मुझे बाहर किया गया। इसमें कोई गलती भी नहीं है। अनुबंध सूची में मेरी जगह देने से ज्यादा असर नहीं पड़ता। वह राष्ट्रीय टीम के साथ अब अपने करियर में कोई बदलाव नहीं चाहते हैं।

उन्होंने कहा, 'लेकिन जहां तक खेलने की बात है तो निश्चित रूप से मैं ये पक्का करना चाहता हूं कि मैं राष्ट्रीय टीम में रहूं और इसलिए ही यह टूर्नामेंट हमारे लिए और विशेषकर मेरे लिए बहुत भाग्यशाली है इसलिए मैं इसे इतना पसंद करता हूं।

स्टोइनिस को जनवरी में वेस्टइंडीज के खिलाफ ऑस्ट्रेलियाई एकदिवसीय टीम से बाहर कर दिया गया पर इसके बाद भी वह टी20 अंतरराष्ट्रीय विश्व कप में खेलना चाहते हैं। स्टोइनिस को टी20 विश्व कप के दौरान आस्ट्रेलियाई टीम में पांचवें स्थान पर रखे जाने की संभावना है। स्टोइनिस टूर्नामेंट के लिए ऑस्ट्रेलियाई चयन के लिए योग्य होंगे क्योंकि उनका 2023-24 सत्र के लिए अनुबंध 30 जून तक है।

बीसीसीसी ने दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज रसिख को लगायी फटकार

मुम्बई। दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज रसिख सलाम दर को गुजरात टाइटंस के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग मुकाबले में विकेट लेने के बाद आक्रामक जश्न मनाना भारी पड़ा है। इसके कारण बीसीसीआई ने उन्हें कड़ी फटकार लगायी है। बीसीसीआई ने रसिख को आईपीएल की आचार संहिता की धारा 2.5 के लेवल एक के अपराध का दोषी पाया है। ये ऐसी भाषा के इस्तेमाल या हरकत या भाव भंगिमा से संबंधित है जिससे दूसरे खिलाड़ी को उकसाया जा सकता है। गुजरात के खिलाफ मैच में एक विकेट लेने के बाद रसिख ने आक्रामक जश्न मनाया था। रसिख ने इस मैच में चार ओवर में 44 रन देकर तीन विकेट लिए थे। गुजरात टाइटंस के खिलाफ दिल्ली ने आखिरी ओवर तक चले मुकाबले में 4 रन से जीत हासिल की। दिल्ली ने पहले खेलते हुए अक्षर पटेल के 66 तो कप्तान ऋषभ पंत के 88 रनों की बदौलत 224 रन बनाए थे। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात ने 220 रन बनाये।

पाक को झटका , टी20 सिरीज से बाहर हुए रिजवान और नियाजी

कराची। पाकिस्तान को करारा झटका लगा है। उसके विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान और इरफान खान चोटिल होने के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ जारी टी-20 सीरीज के बचे हुए मैचों से बाहर हो गये हैं। पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने ये बात कही है। पीसीबी के अनुसार जांच में रिजवान और इरफान की चोट गंभीर पायी गयी है। इसी के बाद दोनो को बाहर करने पर फैसला हुआ। रिजवान को तीसरे टी-20 मैच में बल्लेबाजी करते समय मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था। पीसीबी के अनुसार अब उसे 10 दिन तक मैदान के बाहर रहना होगा। वहीं नियाजी की भी मांसपेशियों में खिंचाव है। इन दोनो के बाहर होने से टीम की परेशानी बढ़ गयी है क्योंकि आजम खान पहले ही चोटिल होने के कारण बाहर हैं। इसी कारण युवा खिलाड़ी हसीबुल्लाह को बुलाया गया है पर अन्य किसी बदलाव की घोषणा नहीं की गई है। इस सीरीज में अभी दोनो ही टीमें एक-एक मैच में जीत के साथ ही बराबरी पर हैं।

ऋषभ ने कैमरामैन से माफी मांग , छक्के से हुआ था घायल

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत ने आईपीएल में गुजरात टाइटंस के खिलाफ शानदार अर्धशतकीय पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिलायी। ऋषभ की नाबाद 88 रन की पारी से दिल्ली ने 4 विकेट पर 224 रन बनाए। ऋषभ ने अपनी पारी के दौरान जमकर 5 चौके और 8 छक्के लगाये। उनका एक छक्का मैच कवर कर रहे कैमरामैन को लग गया। इसका पता चलते ही ऋषभ मैच समाप्त होने के बाद कैमरामैन के पास पहुंचे और माफी मांगी। ऋषभ के इस कार्य की सभी प्रशंसकों ने सराहना की है।

ऋषभ ने अपनी पारी के दौरान अक्षर पटेल के साथ मिलकर 113 रनों की अहम साझेदारी भी निभाई। इस साझेदारी के बल पर ही दिल्ली की टीम मुकाबला जीतने में सफल रही। अक्षर ने इस मैच में 66 रनों की तेज पारी खेलकर कैपिटल्स को एक अच्छे स्कोर तक पहुंचाया। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात ने भी अच्छा प्रयास किया। गुजरात की ओर से डेविड मिलर ने तेजी से 55 रन बनाये। वहीं अंतिम ओवरों में राशिद खान ने भी आक्रामक पारी खेली पर इसके बाद भी गुजरात को 4 रनों से हार का सामना करना पड़ा।

इस मैच का आकर्षण ऋषभ की पारी रही। ऋषभ ने कप्तानी पारी खेलते हुए इस सत्र में अपना तीसरा अर्धशतक लगाया। उन्होंने मोहित शर्मा के एक ही ओवर में 31 रन बना दिये। इसमें 5 गेंदों पर चौके, छक्के लगाये। इसी दौरान उनका एक शॉट कैमरामैन को लग गया जिससे वह चोटिल हो गया।

वह अभी अपनी टीम की और से सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। ऋषभ ने इस सतत्र में कैपिटल्स की ओर से अब तक 9 पारियों में 161.32 के शानदार स्ट्राइक रेट के साथ 342 रन बनाए हैं। गुजरात के खिलाफ 43 गेंदों में 5 चौके और 8 छक्के के दम पर खेली गई नाबाद 88 रनों की पारी भी इसमें शामिल है।

पाकिस्तान की पूर्व कप्तान बिस्माह मारूफ ने संन्यास की घोषणा की

इस्लामाबाद - पाकिस्तान के हरफनमौला खिलाड़ी बिस्माह मारूफ ने गुरुवार को तत्काल प्रभाव से क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा कर दी है। 2006 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद मारूफ ने 276 अंतरराष्ट्रीय मैचों में पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व किया जिसमें उन्होंने 6,262 अंतरराष्ट्रीय रन बनाए जिसमें 33 अर्धशतक और 80 विकेट शामिल हैं। 136 एकदिवसीय मैचों में उन्होंने 29.55 की औसत से 3,369 रन बनाए हैं जिसमें 21 अर्द्धशतक शामिल हैं और 44 विकेट लिए हैं। 140 टी20आई में उन्होंने 27.55 की औसत से 2,893 रन बनाए हैं जिसमें 12 अर्द्धशतक शामिल हैं और 36 विकेट लिए हैं। कप्तान के रूप में मारूफ ने 96 मैचों में पाकिस्तान का नेतृत्व किया जिसमें 2020 और 2023 में आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के साथ-साथ 2022 में आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप भी शामिल है। मारूफ ने आईसीसी के हवाले से अपने बयान में कहा, 'मैंने उस खेल से संन्यास लेने का फैसला किया है जो मुझे सबसे ज्यादा पसंद है। यह चुनौतियों, जीत और अविस्मरणीय यादों से भरी एक अविश्वसनीय यात्रा रही है। मैं अपने परिवार के प्रति आभार व्यक्त करना चाहती हूं जिन्होंने शुरुआत से लेकर अब तक मेरी क्रिकेट यात्रा में मेरा समर्थन किया है। मैं मुझ पर विश्वास करने और मेरी प्रतिभा दिखाने के लिए मंच प्रदान करने के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को भी धन्यवाद देना चाहता हूं। पीसीबी का समर्थन अमूल्य रहा है, खासकर मेरे लिए पहली अभिभावक नीति को लागू करने में, जिसने मुझे सक्षम बनाया।'

'इम्पैक्ट' प्लेयर नियम से हो रहा खेल को नुकसान : एडम

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल को रोमांच बनाये रखने के लिए 'इम्पैक्ट' प्लेयर का जो नियम लाया गया है। उससे कई दिग्गज सहमत नहीं है। उनका कहना है कि ये खेल के लिए नुकसानदेह है। वहीं अब लखनऊ सुपर जायंट्स के सलाहकार ऑस्ट्रेलिया के एडम वोग्स ने कहा है कि इस नियम पर दोबारा विचार किया जाना चाहिये। उनके अनुसार इसकी जगह पर ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग का 'पावर सर्ज' होना चाहिये। इसमें बल्लेबाजी टीम को फील्डिंग पांबदियों के दो ओवर के चरण पर फैसले की अनुमति होती है।

'इम्पैक्ट' खिलाड़ी नियम पिछले सत्र में शामिल किया गया था और इस सत्र में इसपर कई खिलाड़ियों ने सवाल उठाये हैं। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा भी ऐसे खिलाड़ियों में शामिल हैं। उनका कहना है कि ये नियम ऑलराउंडरों के लिए नुकसानदेह है। वोग्स भी रोहित से सहमत हैं। उन्होंने कहा कि यह नियम क्रिकेट को रोमांचक तो बना रहा है पर इससे ऑलराउंडर खिलाड़ियों को नुकसान हुआ है। साथ ही कहा, ''इस नियम के कारण् टूर्नामेंट में काफी बड़े स्कोर बन रहे हैं और टीम के लिए मजबूत बल्लेबाज सातवें या आठवें नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए उतर रहे हैं।''

उन्होंने कहा, ''निश्चित रूप से इससे क्रिकेट के रोमांच का स्तर बढ़ गया है पर इससे मैच में ऑल राउंडर की भूमिका और उनका प्रभाव थोड़ा कम हो जाता है जबकि ऑलराउंडर हमेशा ही टीम को संतुलन प्रदान करते हैं।'' वहीं ऑस्ट्रेलिया के 'पावर सर्ज' के नियम को लेकर वोग्स ने कहा कि इससे मुकाबला दिलचस्प हो जाता है और उन्हें यह नियम पसंद आता है।

आईपीएल में जहां पारी की शुरूआत में छह ओवर का पावरप्ले होता है, वहीं बीबीएल में चार ओवर का पावरप्ले होता है। इसमें 'पावर सर्ज' सर्कल के बाहर केवल दो क्षेत्ररक्षकों का दो ओवर का चरण होता है जिसे बल्लेबाजी टीम अपनी पारी के 11वें ओवर के बाद किसी भी समय मांगती है।

पृष्ठासन से कहें थकान को अलविदा

तिर्यक कटिचक्रासन और पृष्ठासन ऐसे ही आसन हैं जिन्हें साथ-साथ किया जा सकता है. इससे संतुलन बना रहता है और शरीर के हर अंग की मालिश भी हो जाती है।

- सांस भरें और फिर सीधे खड़े हो जाएं। यह पूरा एक चरण है। तीन बार इसका अभ्यास करना चाहिए।
- पेट में अल्सर, उच्च रक्तचाप, श्याटिका या स्लिप डिस्क की समस्या होने पर पृष्ठासन का अभ्यास नहीं करें।

कैसे करें?

- सीधे खड़े हो जाएं। दोनों पैरों में डेढ़ फुट का अंतर रखें। दोनों हाथों की अंगुलियों को आपस में गूंथ लें. अब सांस भरें और दोनों बाजुओं को सिर के ऊपर लाएं।
- बाजू सीधा रखें। कलाई को पलटें ताकि हथेली का रूख आकाश की ओर रहे। अब सांस छोड़ते हुए कमर से आगे 90 डिग्री के कोण पर झुकें। सामने हथेली की ओर देखें। सांस बाहर रोककर रखें।
- अपने शरीर और बाजुओं को ज्यादा से ज्यादा दाईं ओर घुमाएं। इसी तरह बाईं ओर घुमाएं। सांस भरें और सीधे खड़े हो जाएं। अब सांस निकालते हुए हाथों को नीचे कर लें। यह एक पूरा चरण है।

पृष्ठासन

- नियमित अभ्यास से पैरों की माँसपेशियां मजबूत बनती हैं।

आसन प्रयोग

- सीधे खड़े हो जाएं। दोनों पैरों में डेढ़ फुट का अंतर रखें। पैरों को समानांतर नहीं रखें। दोनों पैरों की अंगुलियों को थोड़ा बाहर की ओर मोड़ लीजिए।
- दोनों हाथों को नितम्ब के नीचे यानी जंघाओं के पिछले भाग पर सटाकर रखें। सांस भरें और सांस छोड़ते हुए घुटनों को थोड़ा मोड़ें। कमर से पीछ झुकते जाएं और हाथों को नीचे सरकाते जाएं।
- पीछे झुकते हुए अगर आप हाथों को घुटनों के पिछले भाग तक पहुंचा सकें तो बहुत अच्छा है। अभ्यास हो जाने पर आप अपने हाथ टखनों तक पहुंचा सकते हैं। लेकिन पीछे झुकने में जल्दबाजी नहीं करें और संतुलन बनाकर रखें।
- पृष्ठासन करने समय सिर को पीछे की ओर ढीला छोड़ दें। इस अवस्था में कुछ सेकेंड रुकने का प्रयास करें।

ध्यान दें

पांच बार इस इस आसन का अभ्यास करें। श्याटिका या स्लिप डिस्क की समस्या होने पर आगे की ओर झुकने वाले आसन नहीं करें। तिर्यक कटिचक्रासन कंधे, पीठ और कमर की मांसपेशियों को व्यायाम देता है और उनकी शक्ति बढ़ाता है। इस आसन के नियमित अभ्यास से कमर की जकड़न दूर होती है। शारीरिक और मानसिक तनाव कम करने में भी यह आसन सहायक है।

क्या है लाभ?

पृष्ठासन करने से पेट की मांसपेशियों में खिचाव आता है। इससे पेट के सभी अंगों की कार्यक्षमता बढ़ती है और स्फूर्ति आती है। नियमित अभ्यास से पीठ और कमर के हिस्से में रक्त का संचार बढ़ जाता है। पीठ और कमर की जकड़न दूर होती है। तंत्रिकाओं को ताकत मिलती है और ताजगी की अनुभूति होती है। साथ ही मानसिक संतुलन बढ़ता है।

व्यक्तित्व से स्वभाव बनता है विनम्र या आक्रामक

आपका विनम्र या आक्रामक होना आपके व्यक्तित्व पर निर्भर करता है। यह खुलासा एक नए सर्वे में हुआ है। न्यू साउथ वेल्स विश्वविद्यालय के सर्वेकर्ता पीटर बिरो कहते हैं कि अक्सर एथलीट्स या शारीरिक रूप से सक्रिय रहने वाले लोगों को आक्रामक और सामाजिक बताया जाता है जबकि सुस्त रहने वाले लोगों के बारे में कहा जाता है कि वे सामाजिक गतिविधियों के प्रति अनभिज्ञ रहते हैं या दब्बू होते हैं। जर्नल 'ट्रेंड्स इन ईकोलॉजी एंड इवोल्यूशन' के मुताबिक बिरो के नए अध्ययन में शरीर की चयापचय दर और व्यक्तित्व के बीच एक सम्बंध देखा गया है। चयापचय क्रिया में भोजन ऊर्जा में परिवर्तित होता है। इस सर्वे में मालूम हुआ है कि विनम्र या आक्रामक होना चयापचय क्षमता से सम्बंधित होता है।

डैंड्रफ से परेशान हैं अपनाएं ये नुस्खें...

खूबसूरत बालों की इच्छा तो हर किसी की होती है लेकिन बदलते मौसम में अगर ध्यान न दिया जाए तो आपके बालों को नजर लग सकती है रुसी की। सही समय पर अगर रुसी से बालों को न बचाया जाए तो ये आपके बालों के लिए बेहद खतरनाक भी साबित हो सकती है इसलिए अब हो जाइए तैयार अपने बालों की देखभाल करने के लिए। रेशमी, काले और घने बाल की तमन्ना हर किसी को रहती है। बालों को सुंदर बनाए रखने के लिए लोग हजारों रुपए तक खर्च कर डालते हैं। कभी बालों का कलर बदलना तो कभी उसके लिए नए-नए प्रयोग करना। सुंदर बालों की चाहत रखने वाले अपनी इच्छा पूरी करने के लिए लगातार कुछ न कुछ करते रहते हैं। लेकिन इस दौरान लोग जिस खास बात का ध्यान नहीं देते हैं वो है बालों में जमने वाली रुसी। रूसी की वजह से देखते ही देखते बालों का हाल बुरा होने लगता है। बाल झड़ने लगते हैं और फिर आपकी चाहत साल दर साल गंजेपन में तब्दील होने लगती है।

वाणी ही है सुख दुःख की वजह

हमारे जीवन में वाणी की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। वेदों के गूढ अर्थों से परिपूर्ण सूत्र ही कठिन समय में आपके सबसे विश्वसनीय साथी हो सकते हैं। देखा जाए तो अक्सर लोगों की शारीरिक कमजोरियों या दूसरे कारणों से बहुत जल्दी गुस्सा आ सकता है, इन व्याधियों की वजह से आप बहुत जल्दी खीझ सकते हैं। इसलिए रोज सुबह जब आप अपनी दिनचर्या तय करते हैं, तब सबसे पहले यह तय करें कि किसी से भी निरर्थक वार्तालाप नहीं करेंगे, जो कुछ कहेंगे वह अर्थपूर्ण होगा, कोई बात यदि पसंद नहीं आएगी तो उसे शालीनता से अस्वीकृत करेंगे-चिढ़ कर, खीझ कर नहीं।

विख्यात दार्शनिक इमर्सन ने कहा है-संसार को दुखमय बनाने वाली अधिकांश व्याधियां वाणी के विकार से उत्पन्न होती हैं। विश्व का इतिहास इसका साक्षी है कि गलत बातों ने गजब का कहर ढाया है इसीलिए कहा भी जाता है कि बाण का, तीर का घाव तो भर जाता है, लेकिन वाणी का घाव कभी नहीं भरता।

महाभारत की पृष्ठभूमि में जो प्रधान कारण गिनाए जाते हैं, उनमें द्रौपदी द्वारा दुर्योधन को दिया गया यह ताना भी शामिल है कि- अंधे का पुत्र अंधा। वाणी के इस महत्व के कारण ही वेदों में ऋषियों ने वाणीगत व्यवहार के अमर सूत्र दिए हैं- सत्यं वद, प्रियं वद, मधुरं वद् अर्थात सत्य बोलें, प्रिय बोलें, मधुर बोलें।

रोगी अथवा उनकी देखरेख करने वालों के लिए वाणी की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण हो जाती है। वेदों के ये तीन सूत्र ही इस समय में ऐसे लोगों सबसे विश्वसनीय साथी हो सकते हैं।दरअसल, रोगी शारीरिक कमजोरियों या दूसरे कारणों से बहुत जल्दी गुस्से में आ सकता है, वह बहुत जल्दी खीझ सकता है। इसलिए उनके प्रति देखरेख करने वालों की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। अत: उन्हें संवेदनशील होने के नाते सबसे पहले यह तय करना होगा कि किसी भी हालत में रोगी से भी निरर्थक वार्तालाप नहीं करें, जो कुछ कहें वह अर्थपूर्ण हो, कोई बात यदि वह पसंद नहीं करता तो उसे शालीनता से अस्वीकृत करें-चिढ़ कर, खीझ कर नहीं।

घर में रोगी के और सगे-संबंधी हो सकते हैं, वे उनसे तरह-तरह के सवाल, जिज्ञासाएं कर सकते हैं। यदि वे बच्चे हैं तो जाहिर है कि वे नहीं जानते कि अस्वस्थ्य व्यक्ति की मनोदशा क्या है, इसलिए वे किसी भी वक्त कुछ भी पूछ सकते हैं। ऐसे में रोगी के हितैषी होने के नाते आपको ही तय करना है कि आप तो उनकी बातों का कैसा रूख देते हैं और क्या जवाब दें, जिससे अनावश्यक तनाव न उत्पन्न होने पाए। यदि आप उनके मनोभाव को समझकर उनकी बातों का रोचक ढंग से जवाब देने की कोशिश करते हैं तो रोगी के साथ साथ ये बच्चे भी आपके मुरीद बन जाएंगे, आप इनकी जरूरत बन जाएंगे। यदि आपने ऐसा करने के बजाय उनकी जिज्ञासाओं के प्रति उपेक्षा का रवैया अपनाया या उन्हें झिड़कने की कोशिश की तो आपको दोहरी मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

रोगग्रस्त व्यक्ति के परिजन होने के नाते इस माहौल का असर सिर्फ बच्चों और आप तक सीमित नहीं रहता है, बल्कि प्राय: यह फैलते हुए आपके दूसरे रिश्तों को भी अपने घेरे में ले लेता है, क्योंकि आखिर ये सभी रिश्तेदार आपके ही परिवार का अहम हिस्सा होते हैं। शुरू-शुरू में आपके अपने इन बातों को नजरंदाज कर सकते हैं, लेकिन हर बात की एक सीमा होती है। यदि आपका कडा बर्ताव या बातचीत का ढंग नकारात्मक ही बना रहा तो एक दिन वे भी आपसे ऐसी बात कह सकते हैं, जो शायद आपको अच्छी न लगे।

यह भी देखने में आता है कि गंभीर बीमारियों से ग्रस्त रोगियों में से बहुत से लोग प्राय: नकारात्मक व्यवहार करने लगते हैं और ऐसी बातें करते हैं जिन्हें दूसरे लोग अशुभ मानते हैं, जैसे- अब अपना तो क्या, चार दिन के मेहमान हैं, अब तो ऊपर वाले के बुलावे का इंतजार है, जब बुला ले। वास्तविकता में जीवन और मृत्यु सब ईश्वर के हाथ में हैं, इसलिए ऐसी बातें करने वालों को ढांढ़स बंधाएं। उन्हें भरोसा दिलाएं कि जब तक जीवन है, तब तक जीवन की ही बात होनी चाहिए, जीवन की ही चर्चा करनी चाहिए। जहां तक मौत का सवाल है तो आप नहीं चाहेंगे, तब भी जब उसे आना है वह आ जाएगी। ऐसे में उसकी चर्चा कर, उनकी खूबियां बताकर बातों को शालीनता से पाजिटिव पुट देना सार्थक पहल होगी। माहौल को बोझिल बनने से बचाएं। दरअसल, पूरी जीवंतता आपकी वाणी में भी मुखर होनी चाहिए।

अपनी वाणी को रूग्ण की खुशी का कारण बनाएं, तकलीफ का नहीं। कोशिश करें कि आपकी वाणी मधुर हो और उसमें मनोविनोद भी शामिल हो।

यदि आपकी वाणी में रस छलकेगा तो आप कठिन क्षणों से आसानी से पार पा लेंगे। इसी अनुपात में आप देखेंगे कि आपके परिवार की तकलीफें भी कम होती जाएंगी, क्योंकि जब आप अच्छा बोलेंगे, अच्छे ढंग से बोलेंगे तो आपको इसका प्रतिसाद भी वैसा ही मिलेगा। वैसे भी आज की आपा-धापी भरी जिंदगी में लोगों के बोलने का ढंग भी तनाव ग्रस्त हो गया है। इसलिए वाणी के महत्व को समझें और उसे बुद्धिमानी से उपयोग करें।

यदि कम करना हो कोलेस्ट्रॉल का स्तर...

यदि आपको कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम करना है तो अखरोट और बादाम जैसी सूखी मेवा खूब खाएं। एक नए अध्ययन में स्पष्ट हुआ है कि इससे रक्त में कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम होता है।

हृदय संबंधी बीमारियों के खतरे को कम करने और रक्त में लिपिड (वसा व कोलेस्ट्रॉल) का स्तर कम करने की अखरोट, बादाम व मूंगफली जैसी सूखी मेवा की पोषण संबंधी अद्वितीय विशेषताओं के चलते इन पर ज्यादा अध्ययन किया जा रहा है। इस तरह की सूखी मेवा में पौधों के प्रोटीन, वसा (खासकर असंतृप्त वसा अम्ल), खाने योग्य रेशे, खनिज, विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट्स और फाइटोस्टीरॉइड्स जैसे अन्य यौगिकों की मात्रा अधिक होती है।

कैलिफोर्निया के लोमा लिंडा विश्वविद्यालय के अध्ययनकर्ता जोएन सैबेटी और उनके साथियों ने सात देशों के कोलेस्ट्रॉल की उच्च मात्रा व कोलेस्ट्रॉल की सामान्य मात्रा वाले 583 स्त्री-पुरुषों को 25 परीक्षणों में खाने के लिए अखरोट देने के बाद इन परीक्षणों में प्राप्त प्राथमिक आंकड़ों का अध्ययन किया था। इन सभी परीक्षणों में लोगों को दो समूह में बांटा गया था। एक समूह के लोगों को खाने के लिए अखरोट नहीं दिया गया, जबकि दूसरे समूह को अखरोट दिया गया। अध्ययन में शामिल लोगों को लिपिड की मात्रा कम करने के लिए कोई दवा नहीं दी गई थी। अध्ययन में शामिल प्रतिभागियों ने प्रतिदिन औसतन 67 ग्राम अखरोट का सेवन किया था। इसके बाद उनमें कोलेस्ट्रॉल की सांद्रता में 5.1 प्रतिशत की कमी, कम-घनत्व वाले लिपोप्रोटीन (खराब कोलेस्ट्रॉल) में 7.4 प्रतिशत की कमी और उच्च-घनत्व वाले लिपोप्रोटीन (अच्छा कोलेस्ट्रॉल) के स्तर में 8.3 का बदलाव देखा गया। अध्ययकर्ताओं का कहना है कि अखरोट, बादाम या मूंगफली के सेवन से होने वाला असर इन सूखी मेवाओं की ली जाने वाली मात्रा पर निर्भर करता है और सभी प्रकार की सूखी मेवाएं रक्त में मौजूद लिपिड के स्तर पर समान प्रभाव डालती हैं।

मिस्र, नीदरलैंड ने किया गाजा संघर्ष खत्म करने और दो-राज्य समाधान लागू करने पर जोर

काहिरा। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल-फतह अल-सिसी ने नीदरलैंड के प्रधान मंत्री मार्क रुटे के साथ गाजा में हमास-इजराइल के बीच चल रहे युद्ध को लेकर फोन पर चर्चा की। इस दौरान दोनों देशों के नेताओं ने गाजा में चल रहे संघर्ष को खत्म करने और दो-राज्य समाधान को लागू करने की जरुरत पर बल दिया। मिस्र के राष्ट्रपति ने एक बयान में कहा, श्री सिसी और श्री रुटे ने संघर्ष विराम तक पहुंचने की दिशा में काम करने और गाजा के सभी इलाकों में भरपूर मात्रा में मानवीय मदद पहुंचने को सुनिश्चित करने पर सहमति व्यक्त की, ताकि इस युद्ध के चलते गाजा पट्टी में होने वाली गंभीर मानवीय तबाही से बचाया जा सके। बयान में कहा गया कि उन्होंने यहां स्थिति बहाल करने और इलाके में सुरक्षा और शांति कायम करने में योगदान देने के लिए दो-राज्य समाधान के कार्यान्वयन की दिशा में आगे बढ़ने की जरुरत पर भी जोर दिया। इस दौरान मिस्र के राष्ट्रपति ने फिलिस्तीनी शहर राफा में किसी भी इजरायली सैन्य अभियान के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा कि ऑपरेशन के गाजा पट्टी में मानवीय स्थिति और क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा पर विनाशकारी परिणाम होंगे।

आईएस के 11 आतंकवादियों को ईराक ने दी फांसी

बगदाद। इस्लामिक स्टेट (आईएस) समूह का सदस्य होने के आरोप में इराकी अधिकारियों ने 11 दोषियों को फांसी दी है। इस बात की जानकारी सुरक्षा से जुड़े एक सूत्र ने बुधवार को दी है। जानकारी देने वाले जेल अधिकारी ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर बताया कि इराकी राजधानी बगदाद से लगभग 350 किलोमीटर दक्षिण में नासिरिया शहर में नासिरियाह सेंट्रल जेल में मंगलवार को आतंकी होने के बिनय पर 11 लोगों को फांसी दी है। सूत्रों की मानें तो इराकी न्याय मंत्रालय की एक टीम ने इराकी राष्ट्रपति की इजाजत के बाद ही सभी कानूनी प्रक्रियाओं को पूरा कर मौत की सजा को क्रियांवित किया है। यहां बतलाते चलें कि वर्ष 2017 के आखिर में इराकी बलों द्वारा इराक में आईएस को हराने के बाद सैकड़ों आईएस समर्थक या तो मार दिए गए थे पकड़े गए थे, जबकि अनेक अन्य इराक या विदेश में बड़े पैमाने पर अभी भी छिपे हुए हैं। खास बात यह है कि इराक में मृत्युदंड की सजा को 10 जून 2003 में निलंबित कर दिया गया था, लेकिन हालात और सुरक्षा की दृष्टि से इसे अगस्त 2004 में फिर बहाल कर दिया गया है। अब खबर यह है कि ईराक में 11 आतंकवादियों को जो कि आईएस के बताए गए हैं को फांसी दे दी गई है। इसकी विस्तृत जानकारी सरकारी एजेंसी द्वारा फिलहाल नहीं दी गई है।

हमास 5 साल के सीजफायर को तैयार

गाजा। गाजा में जंग के 6 महीने बाद हमास के एक सीनियर अधिकारी ने 5 साल के सीजफायर की इच्छा जाहिर की है। खलील अल-हैय्या ने कहा है कि अगर फिलिस्तीन एक अलग और आजाद देश बनता है तो हम हथियार डाल देंगे और एक साधारण राजनीतिक पार्टी के तौर पर काम करेंगे। हालांकि, 7 अक्टूबर के हमले के बाद हमास का खात्मा करने की कसम खा चुका इजराइल इस समझौते के लिए सहमत हो इसकी संभावना न के बराबर है। अल-हैय्या का कहना है कि अगर फिलिस्तीन को 1967 की जंग से पहले के इलाके दिए जाते हैं तो वो इजराइल के खिलाफ युद्ध नहीं लड़ेगा।

बांग्लादेश में इंडिया आउट कैंपेन फेल

ढाका । बांग्लादेश में मुख्य विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी ने आम चुनावों का बहिष्कार किया था। इसके बाद बीएनपी ने नए मुद्दे को हवा देने की कोशिश करते हुए भारत के खिलाफ इंडिया आऊट कैंपेन शुरू किया था। जनवरी के बाद बीएनपी के बड़े नेताओं ने बांग्लादेश में विपक्ष की नाकामी के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराना शुरू कर दिया। बीएनपी के महासचिव राहुल कबीर रिजवी ने अपनी भारतीय शॉल को जमीन पर फेंक दिया और आग लगा दी, सीधे तौर पर इंडिया आउट आंदोलन के साथ एकजुटता व्यक्त की। इसके बाद बीएनपी और उसकी समान विचारधारा वाली पार्टियों ने इस आंदोलन को लेकर सोशल मीडिया पर बहुत प्रचार किया, लेकिन विरोध जमीन पर उतर नहीं पाया।

इजराइल के साथ संघर्ष विराम को तैयार हमास.....लेकिन ये शर्त

तेलअवीव । गाजा में युद्ध के बीच हमास के नेता खलील अल हाया ने कहा है कि उनका संगठन इजरायल के साथ 5 साल के लिए संघर्ष विराम को तैयार है। साथ ही हमास के लड़ाके हथियार भी त्याग देने वाले है। हालांकि इसके लिए अल हाया की शर्त है कि एक स्वतंत्र फलस्तीनी देश का गठन हो और उसकी सीमा साल 1967 के पहले की हो। हाया गाजा में हमास के डेप्युटी चेयरमैन हैं। उन्होंने फिर से अपनी मांग दोहराकर कहा कि इजराइल के बंधकों को छोड़ने की डील में स्थायी संघर्ष विराम को शामिल करे। हमास नेता का यह बयान उस समय पर आया है, जब इजरायल राफा में भी जोरदार कार्रवाई करने जा रहा है, जो मिस्र की सीमा पर हमास का आखिरी बड़ा गढ़ है। अल हाया ने कहा कि हमास वेस्ट बैंक और गाजा पट्टी में एक पूरी तरह से संप्रभु फिलिस्तीनी देश का इच्छुक है। साथ ही अंतरराष्ट्रीय निर्णयों के मुताबिक फिलिस्तीनी शरणार्थियों की वापसी भी हो। इससे पहले एक वरिष्ठ हमास नेता ने दावा किया था कि उनके नेता याह्या सिन्वार हाल ही में कई बार सुरंग से बाहर आए थे और उस इलाके में गाजा के लोगों से मुलाकात की। सिन्वार को भी हकीकत का अंजादा है। इजराइली खुफिया एजेंसियां सिन्वार को रोक नहीं पा रही हैं।

भारत के पड़ोसी देश में तैनात होगी ड्रैगन की आर्मी

बीजिंग । चीन अपनी सेना की एक टुकड़ी को बांग्लादेश में तैनात करने जा रहा है। चीन के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता वू कियान ने इसकी जानकारी दी है। कियान ने बताया कि बांग्लादेश की सेना के साथ संयुक्त प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए पीपल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की एक टुकड़ी को मई की शुरुआत में बांग्लादेश में तैनात किया जाएगा। चीन और बांग्लादेश की सेनाओं के बीच ये पहली ज्वाइंट मिलिट्री ट्रेनिंग है। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता के हवाले से बताया, प्रशिक्षण का मकसद चीन और बांग्लादेश के बीच आपसी समझ, दोस्ती को मजबूत करना और दोनों पक्षों के बीच व्यावहारिक आदान-प्रदान और सहयोग को बढ़ाना है। कियान ने कहा कि यह प्रशिक्षण संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षा और आतंकवाद विरोधी अभियानों के संदर्भ में तैयार किया गया है। इसमें एक मिश्रित प्रशिक्षण मॉडल शामिल होगा। बांग्लादेश में चीनी सेना की पहुंच बीजिंग की उस विस्तृत योजना का हिस्सा मालूम पड़ती है, जिसके तहत वह अपनी सैन्य मौजूदगी को वैश्विक स्तर पर बढ़ाना चाहता है।

सिर से पांव तक बुर्के में दिखी ईरानी राष्ट्रपति की पत्नी

इस्लामाबाद। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी 22 अप्रैल को पाकिस्तान के तीन दिन के दौरे पर इस्लामाबाद पहुंचे थे। रईसी ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और राष्ट्रपति आसिफ जरदारी सहित पाक के तमाम बड़े नेताओं से बात की। पाकिस्तान में रईसी के साथ उनकी पत्नी जमीला अलम अलहुदा की भी चर्चा है, जो पति के साथ इस्लामाबाद पहुंचीं। ईरानी राष्ट्रपति की पत्नी ने कहा कि पाकिस्तान के बारे में उनकी धारणा पहले से ही सकारात्मक थी। गाजा पट्टी में जारी जंग पर अलहुदा ने कहा कि इजरायल फिलिस्तीनियों का नरसंहार कर रहा है।

केन्या में भारी बारिश के बीच निकलती हुई एक वृद्ध महिला की सहायता करते हुए लोग।

5000 भारतीयों को रवांडा भेजेगी, ब्रिटेन सरकार

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने 5000 अवैध रूप से रह रहे भारतीयों को,अफ्रीका के देश रवांडा भेजने का फैसला किया है। 5000 भारतीय अवैध रूप से ब्रिटेन में रह रहे थे। उन्होंने शरणार्थी का दर्जा पाने के लिए आवेदन किया था। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने इसे ना मंजूर कर दिया है। 1 जनवरी 2022 के बाद से अवैध रूप से जो भी लोग ब्रिटेन पहुंचे हैं। ब्रिटेन सरकार द्वारा उन्हें शरणार्थी का दर्जा नहीं दिया जा रहा है। नाही ब्रिटेन सरकार उन्हें अपने देश में रखना चाहती है। ब्रिटेन में रह रहे यह 5253 भारतीयों मे 60 फीसदी से अधिक 18 से 29 साल के बीच के हैं। इंग्लिश चैनल को नावों के जरिए पार करके यह लोग ब्रिटेन पहुंचे थे। अवैध रूप से ब्रिटेन भेजने वाले एजेटों ने इन युवाओं से लाखों रुपए वसूल किए थे। भारत सरकार से कोई सहायता इन्हें नहीं मिली। इसके बाद ब्रिटेन सरकार ने 5000 से अधिक भारतीयों को रवांडा भेजने का फैसला किया है। ब्रिटेन सरकार रवांडा की सरकार को प्रति शरणार्थी 63 लाख रुपए अदा करेगी। ब्रिटेन में सभी देशों के जो शरणार्थी रह रहे थे। उसके लिए ब्रिटेन की सरकार ने 18900 करोड रुपए रवांडा की सरकार को दिए हैं। रवांडा 2009 में राष्ट्रमंडल में शामिल हो गया है। भारत सरकार ने अभी तक अपने नागरिकों को भारत वापस लाने के लिए कोई पहल नहीं की है। जिसके कारण अब यह रवांडा में रहने के लिए मजबूर होंगे।

अमेरिका, ब्रिटेन समेत कई देशों की सलाह मानने से इजराइल का इंकार, राफा को ध्वस्त करने पर अमादा

तेल अवीव (एजेंसी)। अमेरिका, ब्रिटेन समेत कई देशों ने इजराइल को सलाह दी है कि वह युद्ध से पीछे हट जाए। इसके बाद भी इजराइल ने गाजा के राफा शहर पर हमले की तैयारी पूरी कर ली है। इजराइल ने बुधवार को कहा कि वह राफा पर हमले की तैयारी में है और उसकी सेना आगे बढ़ रही है। उसके इस ऐलान से पड़ोसी देश मिस्र भी नाराज हो गया है। इजराइल यह हमला करेगा, इसकी कोई टाइमलाइन तय नहीं है, लेकिन हमला कभी भी हो सकता है।

अब इजराइल का कहना है कि हमास की 4 सशस्त्र यूनिटों ने राफा शहर में ठिकाना बना लिया है। ऐसे में उसे नेस्तनाबूद करने के लिए राफा पर जमीनी हमला करना जरूरी है। इस बार इजरायल यह सावधानी भी रख रहा है कि उस पर आम नागरिकों के कत्लेआम का आरोप न लगे। इसीलिए उसने हमले से पहले टेंट सिटी बसाने का प्लान बनाया है ताकि राफा से निकलने वालों को शरण दी जा सके। वहीं मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतेह अल-सीसी ने इजरायल को चेतावनी दी है कि यदि उसने राफा पर हमला किया तो गंभीर परिणाम होगे।राफा शहर पर हमले को लेकर मिस्र इसलिए चिंतित है क्योंकि वह उसकी सीमा से सटा हुआ है। पहले ही गाजा पर हमला होने के बाद से बड़ी संख्या में फिलिस्तीनी मिस्र चले गए हैं। ऐसे में अब राफा पर अटैक होने से और बड़ी संख्या में फिलिस्तीनियों के मिस्र में घुसने का डर है। राफा शहर की आबादी करीब 10 लाख की है। मिस्र के अलावा अमेरिका का भी कहना है कि इजरायल को यह ऑपरेशन नहीं करना चाहिए। बता दें कि इजरायल ने दक्षिणी गाजा से अपने सैनिकों को वापस बुला लिया है। इसके बाद अब राफा पर हमले की तैयारी है।

इजरायली सेना के सूत्रों का कहना है कि करीब 40 हजार टेंट खरीदे गए हैं। हर टेंट में 10 से 12 लोग रह सकते हैं। इजरायल इस बार राफा पर हमला करने से पहले टेंट सिटी तैयार करेगा ताकि वहां से बाहर निकलने वाले फिलिस्तीनियों को वहां रखा जा सके। इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू खुद कई बार दोहरा चुके हैं कि राफा पर हमला किया जाएगा। गाजा का यही एक ऐसा शहर है, जिसमें अब तक इजरायली सेना नहीं घुसी थी। हमास ने 7 अक्टूबर को इजरायल पर हमला किया था। उसके बाद से ही इजरायल हमलावर है और खान यूनिस समेत गाजा के कई शहरों को तबाह कर दिया है। इजरायल के हमलों में अब तक 35 हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं।

अंतरिक्ष में परमाणु हथियारों पर रोक लगाने के प्रस्ताव पर रुस ने किया वीटो

-कहा-प्रस्ताव अंतरिक्ष में सभी प्रकार के हथियारों को बैन करने में सक्षम नहीं

जेनेवा, (एजेंसी)। अंतरिक्ष में खतरनाक परमाणु हथियारों को तैनात करने की होड़ को रोक लगाने के लिए पंद्रह सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में 13 देशों ने प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया जबकि रूस ने इसका विरोध किया और चीन इस मामले पर नदारद रहा। रूस ने प्रस्ताव को राजनीति से प्रेरित करार देते हुए इसे खारिज कर दिया। रुस ने कहा कि यह प्रस्ताव अंतरिक्ष में सभी प्रकार के हथियारों को बैन करने में सक्षम नहीं है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के इस प्रस्ताव में सभी देशों से अंतरिक्ष में परमाणु हथियार या फिर ऐसे किसी भी हथियार को तैनात नहीं करने का आह्वान किया गया है, जो मानवजाति के लिए भारी तबाही का कारण बनेंगे। अंतरिक्ष में हथियारों की तैनाती 1967 के अंतरराष्ट्रीय संधि के अंतर्गत प्रतिबंधित है।

अमेरिकी राजदूत लिंडा थॉमस ग्रीनफील्ड ने इस प्रस्ताव के मतदान के बाद कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का कहना है कि मॉस्को की अंतरिक्ष में परमाणु हथियारों को तैनात करने की मंशा बिल्कुल भी नहीं है लेकिन रूस द्वारा इस प्रस्ताव पर वीटो किया जाना यह संकेत देता है कि रुस सरकार कुछ न कुछ छिपा रही है।

बता दे कि व्हाइट हाउस ने फरवरी में इस बात की पुष्टि की थी रूस ने उपग्रह रोधी हथियार क्षमता हासिल कर ली है हालांकि ऐसा कोई हथियार अभी तक प्रयोग में नहीं लाया गया है। 18 मार्च को थॉमस-ग्रीनफील्ड ने प्रस्ताव की घोषणा की थी। रुसी राष्ट्रपति पुतिन ने बाद में इस बात की घोषणा की थी कि मॉस्को का अंतरिक्ष में परमाणु हथियार तैनात करने का कोई इरादा नहीं है। पुतिन ने दावा किया कि रूस ने केवल अमेरिका के समान ही अंतरिक्ष क्षमताएं विकसित की हैं।

श्रीलंका भारत के साथ व्यापक आर्थिक सहयोग बढ़ा रहा : रानिल विक्रमसिंघे

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने कहा कि द्वीप राष्ट्र भारत के साथ व्यापक आर्थिक सहयोग में तेजी लाने पर योजना बना रहा है। इसमें पर्यटन क्षेत्र अहम रहेगा। भारतीय कंपनी आईटीसी होटल्स की पहली विदेशी संपत्ति आईटीसी रत्नादीपा के उद्घाटन समारोह में विक्रमसिंघे ने कहा कि एक उभरते हुए आर्थिक दिग्गज के रूप में भारत की स्थिति और एक रणनीतिक लॉजिस्टिक्स केंद्र के रूप में श्रीलंका की स्थिति दोनों अर्थव्यवस्थाओं को आगे बढ़ाने में एक-दूसरे के पूरक होगी।

विक्रमसिंघे ने कहा, मुझे कोई संदेह नहीं है कि यह (आईटीसी रत्नादीपा) श्रीलंका में पर्यटन को बढ़ाने में मदद करेगा, खासकर भारत से... यह उस बयान के अनुरूप है जिस पर प्रधानमंत्री (नरेन्द्र) मोदी और मैंने पिछले साल हस्ताक्षर किए थे। उन्होंने कहा, भारत अब उभरते आर्थिक दिग्गजों में से एक है और हम (श्रीलंका) लॉजिस्टिक्स के मामले में भारत के बाद एक महत्वपूर्ण स्थान पर हैं।''

पर्यटन क्षेत्र पर खासतौर पर विक्रमसिंघे ने कहा, '' मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि कई वर्षों तक, श्रीलंका छुट्टियां बिताने के लिए उपयुक्त स्थान रहेगा। आने वाले समय में बेंगलुरु, चेन्नई या हैदराबाद में किसी व्यक्ति के लिए विमान के द्वारा यहां आना भारत के उत्तरी हिस्से में जाने से अधिक आसान होगा। आईटीसी का नया होटल किसी भी भारतीय कंपनी द्वारा श्रीलंकाई आतिथ्य क्षेत्र में सबसे बड़े निवेश (करीब 3,000 करोड़ रुपये) में से एक है।

दुबई में तबाही वाली बारिश के लिए क्लाउड सीडिंग नहीं जिम्मेदार: विशेषज्ञ

- दुबई में जिस तरह बेतहाशा बारिश हुई, उसे लाना इंसान के बस की बात नहीं

दुबई (एजेंसी)। बीते 16 अप्रैल को संयुक्त अरब अमीरात और उसके आस-पास के क्षेत्र में अभूतपूर्व बारिश ने हाहाकार मचा दिया था। अरब प्रायद्वीप के कुछ हिस्सों में उस दिन 24 घंटे में इतनी बारिश हुई ती, जितनी अमूमन 18 महीने में होती है। बारिश ने यूएई के सबसे स्मार्ट शहर दुबई की तस्वीर बिगाड़ कर रख दी थी। दुबई में हर तरफ पानी ही पानी नजर आ रहा था। हालात ये हो गए थे कि दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उड़ानों को रोकना पड़ा। हवाई अड्डा बंदरगाह की तरह हो गया था। कई ?विशेषज्ञ ने इस भारी बारिश के पीछे यूएई में होने वाली क्लाउड सीडिंग को जिम्मेदार ठहराया था लेकिन ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में जलवायु विज्ञान के प्रोफेसर रिचर्ड वाशिंगटन ऐसा नहीं मानते हैं। उनका कहना है कि दुबई में जिस तरह बेतहाशा बारिश हुई है, उसे लाना इंसान के बस की बात नहीं है। भाषा से उन्होंने बताया ?कि चैट समूह में मौसम-विज्ञानी होने के नाते, मैंने उपग्रह और पूर्वानुमान मॉडल डेटा को देखा। मैंने जो देखा वह एक आदर्श तूफान के अवयव थे। अरब प्रायद्वीप जैसे पुराने रेगिस्तानों को आम तौर पर बहुत शुष्क बनाए रखने वाली चीज़ हवा का लगातार और तीव्र रूप से डूबना है, जो बारिश के लिए आवश्यक चीजों के बिल्कुल उलट है। गर्म महासागरों के निकट के रेगिस्तानों में, वाष्पीकरण प्रचुर मात्रा में होता है। लेकिन उस नमी को ऊपर डूबती हवा ने कैद कर रखा होता है। यह एक कड़ाही की तरह होता है जिसका ढक्कन मजबूती से लगा हुआ है। 16 अप्रैल को कड़ाही से जिस चीज ने ढक्कन हटाया वह असामान्य रूप से दूर दक्षिण में एक बहुत ऊंचाई वाली जेट स्ट्रीम थी। वास्तव में दो जेट स्ट्रीम, उपोष्णकटिबंधीय जेट और ध्रुवीय जेट, जो एकजुट हो गए थे और अपने पीछे आयातित, ठंडी हवा छोड़ गए थे। कड़ाही के ढक्कन के साथ-साथ डूबती हुई हवा भी खत्म हो गई थी। इस बीच उत्तरी उष्णकटिबंधीय हिंद महासागर से नमी भरी हवा का प्रवाह तेजी से बढ़ रहा था और रेगिस्तान में एकत्रित हो रहा था। संयुक्त अरब अमीरात में ओस बिंदु तापमान सामान्य रूप से कांगो बेसिन के वर्षावनों में पाए जाने वाले तापमान के समान था। इन परिस्थितियों में, तूफान बहुत तेजी से विकसित होते हैं। इन्फ्रारेड उपग्रह डेटा से पता चला कि इसका आकार फ्रांस के बराबर था।

अमेरिका ने छिपकर यूक्रेन को दीं लंबी दूरी की मिसाइलें

-1 महीने बाद खुलासा किया; रूस में 300 किमी अंदर तक कर सकती है हमला

वाशिंगटन (एजेंसी)। रूस-यूक्रेन जंग के बीच अमेरिका ने छिपकर यूक्रेन को लंबी दूरी की मिसाइलें दी हैं। अमेरिका रक्षा विभाग पेंटागन ने बताया कि उसने यूक्रेन को एटीएसीएमएस की 12 मिसाइलें दी थीं। अमेरिका मीडिया के मुताबिक, राष्ट्रपति जो बाइडेन ने पहले यूक्रेन को एटीएसीएमएस मिसाइल देने से मना कर दिया था। बाद में फरवरी के महीने में अमेरिकी राष्ट्रपति ने मिसाइल देने की मंजूरी दे दी। हालांकि, तब इसकी जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई। पेंटागन के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल गैरन गार्न ने बताया कि यूक्रेन की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इसकी जानकारी छिपाई गई।

मिसाइल देने के बाद इस डिलीवरी को 12 मार्च के सहायता पैकेज में शामिल कर दिया गया था। अप्रैल महीने की शुरुआत में एटीएसीएमएस मिसाइल यूक्रेन पहुंच गईं। इसकी रेंज 300 किलोमीटर है, यानी अगर जंग में इसका इस्तेमाल होता है तो यह रूस में 300 किमी अंदर तक अटैक कर सकती है।

एक साल में 500 एटीएसीएमएस मिसाइल बन रहीं

मिसाइलें जितनी ताकतवर होती हैं, उन्हें बनाने में उतनी ही मेहनत और समय लगता है। एटीएसीएमएस को बनाने वाली कंपनी लॉकहीड मार्टिन एक साल में 500 मिसाइलों का प्रोडक्शन करती है। यूक्रेन को मिसाइल देने से पहले अमेरिका ने कंपनी से ज्यादा से ज्यादा मिसाइलें खरीदीं, ताकी अमेरिका के जखीरे में इनकी कमी न हो। दरअसल, अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक रूस ने इस साल की शुरुआत में उत्तर कोरिया से बैलिस्टिक मिसाइल खरीदी थी और मार्च में इससे यूक्रेन के रिहाइशी इलाकों पर हमला किया। इसके बाद ही बाइडेन ने यूक्रेन को लंबी दूरी की मिसाइल देने पर सहमति जताई। पेंटागन ने बताया कि अमेरिका ने एटीएसीएमएस मिसाइल देते समय सभी नियमों का पालन किया है। वहीं बाइडेन ने बुधवार को यूक्रेन को 5 लाख करोड़ रुपए के सहायता पैकेज से जुड़े बिल पर साइन किया। पेंटागन के मुताबिक, इस पैकेज में भी यूक्रेन को एटीएसीएमएस मिसाइलें देने की बात कही गई है। इससे पहले अमेरिका ने पिछले साल नवंबर में यूक्रेन को कम दूरी वाली एटीएसीएमएस मिसाइल दी थी। इसकी रेंज 160 किमी थी।

तीसरे साल में रूस-यूक्रेन युद्ध

रूस और यूक्रेन का युद्ध अपने तीसरे साल में पहुंच गया है। यूक्रेन के हथियार और सैनिक दिन पर दिन कम होते जा रहे हैं। यूक्रेन-रूस जंग में अब तक 50 हजार से ज्यादा रूसी सैनिकों की मौत हुई है। वहीं यूक्रेन ने जंग के दूसरे साल में 27 हजार 300 रूसी सैनिकों को गंवाया है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि मरने वालों का आंकड़ा बढ़ा हो सकता है। इससे पहले फरवरी में राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की भी यूक्रेनी सैनिकों की मौत का आंकड़ा बता चुके हैं। जेलेंस्की के मुताबिक युद्ध में अब तक सिर्फ 31 हजार यूक्रेनी सैनिकों ने जान गंवाई है। हालांकि अमेरिकी खुफिया जानकारी के मुताबिक यूक्रेन के 70 हजार से ज्यादा सैनिकों की मौत हुई हैं।

मोदी-राहुल के चुनावी भाषणों पर नोटिस

- भाजपा-कांग्रेस पार्टी के अध्यक्षों से 29 अप्रैल तक जवाब मांगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। चुनाव आयोग ने गुरुवार को पीएम नरेंद्र मोदी और राहुल गांधी के भाषणों पर नोटिस जारी किया। यह नोटिस आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायतों पर जनप्रतिनिधि कानून के सेक्शन 77 के तहत इश्यू किया गया है। आयोग ने भाजपा अध्यक्ष नड्डा और कांग्रेस अध्यक्ष खडग़े से 29 अप्रैल सुबह 11 बजे तक जवाब मांगा है। चुनाव आयोग को पीएम मोदी और राहुल गांधी के भाषण में आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत की गई थी। शिकायत में कहा गया कि ये लीडर्स धर्म, जाति, समुदाय और भाषा के आधार पर लोगों को बांटने और नफरत फैलाने का काम कर रहे हैं।

आयोग ने दोनों पार्टियों के अध्यक्षों को जिम्मेदार माना

ये शिकायतें मिलने के बाद इलेक्शन कमीशन ने भाजपा और कांग्रेस पार्टियों के अध्यक्षों को नोटिस भेजा। आयोग ने स्टार प्रचारकों की फौज उतारने के लिए पहली नजर में पार्टी अध्यक्षों को ही जिम्मेदार ठहराया है। आयोग ने कहा कि अपने प्रत्याशियों के कामों के लिए राजनीतिक दलों को ही पहली जिम्मेदारी उठानी चाहिए, खासतौर पर स्टार कैंपेनर्स के मामले में। ऊंचे पद पर बैठे लोगों के चुनावी भाषणों का असर ज्यादा गंभीर होता है।

संदेशखाली केस में पहली एफआईआर दर्ज

कोलकाता । कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश के बाद केंद्रीय जांच ब्यूरो ने पश्चिम बंगाल के संदेशखली में जमीन हड़पने और महिलाओं के खिलाफ अपराध (यौन शोषण) से केस में पहली एफ़आईआर दर्ज की है। इसमें 5 मुख्य आरोपियों के नाम शामिल हैं। हालांकि ये आरोपी कौन हैं, ये सामने नहीं आया है, लेकिन कहा जा रहा है कि ये प्रभावशाली लोग हैं। कलकत्ता हाईकोर्ट ने 10 अप्रैल को संदेशखाली मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी थी। अपने आदेश में कहा कि सीबीआई कोर्ट की निगरानी में जांच करेगी और रिपोर्ट सौंपेगी। मामले की अगली सुनवाई 2 मई को होगी। संदेशखाली की महिलाओं ने 8 फरवरी को तृणमूल कांग्रेस के नेताओं पर यौन उत्पीडऩ और जबरन जमीन कब्जाने का आरोप लगाया था। मामले में 3 आरोपी शाहजहां शेख, शिबू हाजरा और उत्तम सरदार हिरासत में हैं।

अरुणाचल प्रदेश में लैंड स्लाइड

ईटानगर । अरुणाचल प्रदेश के दिबांग वैली में लैंड स्लाइड के चलते नेशनल हाईवे-313 का बड़ा हिस्सा ढह गया है। चीन सीमा से लगे दिबांग वैली जिले का संपर्क पूरे देश से कट गया। दिबांग वैली जिला प्रशासन के मुताबिक बुधवार को हाईवे पर लैंडस्लाइड हुई। अधिकारियों के मुताबिक, लैंड स्लाइड में ढहे हिस्से के कंस्ट्रक्शन में कम से कम 3 दिन लगेंगे। कई दिनों से दिबांग वैली में जारी बारिश जारी की वजह से लैंड स्लाइड। दिबांग वैली को पूरे देश से नेशनल हाईवे 313 जोड़ता है। अधिकारियों के मुताबिक, दिबांग वैली में पिछले कई दिनों से भारी बारिश हो रही है। हुनली और अनीनि के बीच हाईवे 313 का काफी बड़ा हिस्सा लैंड स्लाइड में ढह गया है। हाई-वे की मरम्मत के लिए टीम भेजी गई है।

ईडी का सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा, केजरीवाल की गिरफ्तारी सही

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) में दिल्ली शराब नीति केस में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ याचिका का विरोध किया है। सुप्रीम कोर्ट में दायर हलफनामे में ईडी ने कहा कि कई बार समन भेजे जाने के बावजूद उन्होंने एजेंसी के साथ सहयोग नहीं किया। ईडी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि नौ बार समन मिलने के बावजूद केजरीवाल पूछताछ से बच रहे थे। उनके इसी रवैए से जांच अधिकारी को गिरफ्तारी की वजह मिली है। साथ ही जांच अधिकारी के पास मौजूद चीजों ने भी यह साबित करने में मदद की है कि वे दोषी हैं। ईडी ने यह भी कहा कि केजरीवाल को किसी दुर्भावना या दूसरे कारणों से गिरफ्तार नहीं किया गया है। किसी अपराध की जांच एक ऐसा क्षेत्र है जो जांच एजेंसी के लिए रिजर्व है। उनकी गिरफ्तारी भी जांच का हिस्सा है। सुप्रीम कोर्ट ने 15 अप्रैल को अरविंद की याचिका पर सुनवाई करते हुए शराब घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी से 24 अप्रैल तक जवाब मांगा था। ईडी ने केजरीवाल को 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। वे फिलहाल दिल्ली की तिहाड़ जेल में हैं।

देशभर में सौ से ज्यादा वारदातों को अंजाम देने वाले चोर को ढूंढ रही थी छह राज्यों की पुलिस, कल्याण पुलिस ने किया गिरफ्तार

कल्याण। छह राज्यों की पुलिस उस शातिर चोर की तलाश कर रही थी, जिस पर देशभर में चोरी के 100 से ज्यादा मामले दर्ज थे। इस बीच वह चोर गुजरात पुलिस के चंगुल से भाग निकला और मुंबई से सटे कल्याण की कोलशेवाड़ी पुलिस ने उसे धर दबोचा। अब उसे गुजरात पुलिस को सौंप दिया गया है. गिरफ्तार चोर नाम राम विलास उर्फ रामा गुप्ता है. बताया गया है कि गुजरात पुलिस आरोपी राम विलास गुप्ता को बीते 10 अप्रैल को ठाणे में जांच के लिए उसे ठाणे शहर में लेकर आई थी. इसी दौरान राम विलास गुजरात पुलिस को चकमा देकर उसके चंगुल से भाग निकला। एक पुलिस अधिकारी के अनुसार राम विलास एक कुख्यात चोर है. उत्तर प्रदेश का रहने वाला राम विलास गुप्ता देशभर में चोरी की वारदातों को अंजाम दे चुका है. राम विलास पर सौ से ज्यादा मामले दर्ज हैं. वह महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना, गुजरात, दिल्ली तथा आंध्र प्रदेश में कई अपराधों में फरार है। चूंकि यह शातिर चोर पुलिस हिरासत से भाग गया था, इसलिए पुलिस की कई टीमें उसे ढूंढने में लगी हुई थी। कल्याण के कोलसेवाड़ी पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक कदम को थाने के एक पुलिस अधिकारी दिनकर पगारे ने राम विलास के बारे में जानकारी दी। कल्याण के पुलिस उपायुक्त सचिन गुंजाल, एसीपी कल्याणजी घेटे, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक कदम के मार्गदर्शन में पुलिस अधिकारी दिनकर पगारे की पुलिस टीम एक गुप्त जानकारी के आधार पर कल्याण से सटे म्हारल इलाके में एक ढाबे पर पहुंची जहाँ राम विलास बैठा था. पुलिस ने उसे वहां से हिरासत में ले लिया. इसके बाद उसे गुजरात पुलिस के हवाले कर दिया गया.

तिहाड़ जेल में दो गुट आपस में भिड़े, चार कैदी घायल

नई दिल्ली। देश की जानी मानी तिहाड़ जेल में संदिग्ध गैंगवार और जेल में वर्चस्व की लड़ाई को लेकर जेल नंबर 3 के अंदर कैदियों के दो समूह आपस में भिड़ गए। इसमें चार कैदियों के घायल होने की खबर है। एक अधिकारी ने बताया कि घटना बुधवार सुबह की है। पुलिस ने घटना के संबंध में संबंधित धाराओं के तहत दोनों कैदियों समूह के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि घायल अलग-अलग समूहों से थे। हमले का कारण जेल में अपना दबदबा स्थापित करना था। अधिकारी ने कहा कि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया और बाद में प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

राजस्थान में 73 हजार, 799 बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं ने घर से मतदान किया

जयपुर । राजस्थान में लोकसभा चुनाव में 73 हजार 799 बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं ने घर से मतदान किया है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि दूसरे चरण के लिए 38 हजार 274 इसजरह के मतदाताओं ने घर से ही अपने मताधिकार का उपयोग किया। जबकि प्रथम चरण के तहत 35 हजार 525 मतदाताओं ने घर से मतदान किया। श्री गुप्ता ने बताया कि आम चुनाव-2024 में 85 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ मतदाता तथा 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग वाले मतदाताओं ने निर्वाचन आयोग की पहल पर पहली बार घर से ही उत्साहपूर्वक मतदान किया। उन्होंने बताया कि इस विकल्प के तहत सभी 25 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में अब तक 73 हजार 799 मतदाताओं ने मतदान किया। इसमें 56 हजार 691 बुजुर्ग तथा 17 हजार 108 दिव्यांग मतदाता शामिल हैं। इस दौरान 1062 मतदाताओं की मृत्यु होने और 1207 मतदाताओं के अनुपस्थित होने की वजह से उनका मतदान नहीं हो सका।

श्री गुप्ता ने बताया कि द्वितीय चरण के 13 लोकसभा क्षेत्रों में होम वोटिंग के लिए पंजीकृत मतदाताओं में से 98 प्रतिशत से अधिक ने मतदान किया है। अब तक कुल 38 हजार 274 मतदाताओं ने घर से मतदान किया है। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण के 12 लोकसभा क्षेत्रों में 35 हजार 525 मतदाताओं ने घर से मतदान किया। इसमें 26 हजार 569 बुजुर्ग, जबकि 8956 दिव्यांग मतदाता है। 418 मतदाताओं की मृत्यु हुई और 614 मतदाता घर पर नहीं मिले।

दिल्ली में शुक्रवार नहीं होगा मेयर इलेक्शन? 'आप' का आरोप- एलजी ने रद्द किया चुनाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) ने गुरुवार को दावा किया कि उपराज्यपाल कार्यालय ने दिल्ली नगर निगम के मेयर चुनाव को ÷रद्द÷ कर दिया है। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के मेयर पद के लिए चुनाव 26 अप्रैल को होने हैं। हालांकि, मेयर चुनाव रद्द करने को लेकर आप द्वारा लगाए गए आरोपों पर उपराज्यपाल कार्यालय की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए आप एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने दावा किया कि पहली बार ऐसा हुआ है कि चुनाव आयोग की अनुमति के बावजूद बीजेपी ने चुनाव रद्द कर दिया है।

दुर्गेश पाठक ने कहा कि चुनाव आयोग से इजाजत होने के बावजूद बीजेपी ने यह चुनाव रद्द करवा दिया। एलजी कार्यालय ने यह कहते हुए चुनाव रद्द कर दिया कि वह मुख्यमंत्री की सलाह पर काम करते हैं। ऐसे पहले भी उदाहरण हैं जब उन्होंने मुख्यमंत्री की सहायता और सलाह का पालन नहीं किया है। आम आदमी पार्टी ने आरोप लगाया कि पीठासीन अधिकारी से संबंधित फाइल को जानबूझकर लोक निर्माण मंत्री सौरभ भारद्वाज के बजाय मुख्यमंत्री कार्यालय भेजा गया, जैसा कि किया जाना चाहिए था। उन्होंने कहा, ÷अगर यह फाइल पीडब्ल्यूडी मंत्री के पास जाती तो वह पीठासीन अधिकारी को सलाह देते। ऐसा न करके सरकार पर चुनी हुई सरकार को नजरअंदाज करने का भी आरोप लगा।÷

दरअसल, मेयर के चुनाव के लिए एलजी सीएम की सलाह पर एक पीठासीन अधिकारी की नियुक्ति करते हैं, जो मेयर का चुनाव कराता है। लेकिन दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल जेल में हैं और वह जेल से एलजी को पीठासीन अधिकारी के लिए सलाह नहीं दे सकते। पीठासीन अधिकारी नियुक्त करने के लिए दिल्ली के मुख्य सचिव ने फाइल आगे बढ़ाई थी। यह फाइल सीएम कार्यालय भेजी गई थी। सीएम की अनुपस्थिति के कारण यह फाइल वापस दिल्ली के मुख्य सचिव के पास आ गयी। जिसे मुख्य सचिव ने एलजी को भेज दिया।

आप ने मेयर पद के लिए महेश खिची को नामांकित किया है, जबकि रविंदर भारद्वाज डिप्टी मेयर पद के लिए चुनाव लड़ेंगे। 45 वर्षीय खिची वर्तमान में एमसीडी हाउस में देव नगर वार्ड नंबर 84 के प्रतिनिधि के रूप में कार्यरत हैं और 2012 में इसकी स्थापना के बाद से आप से जुड़े हुए हैं। वह 2011 के इंडिया अगेंस्ट करप्शन (आईएसी) आंदोलन में भी सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं। , जिसने अंततः अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में क्के गठन का मार्ग प्रशस्त किया।

आप ने लोगों से की अपील,कहा जेल का जवाब वोट से दे जनता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता एवं कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज ने गुरुवार को दिल्ली की जनता सेजेल का जवाब वोट से देने की अपील की। भारद्वाज और नयी दिल्ली लोकसभा सीट से प्रत्याशी सोमनाथ भारती ने कार्यकर्ताओं के साथ मेट्रो स्टेशन पर आने-जाने वाले लोगों में पंपलेट बांटा और उनसे आगामी 25 मई को होने वाले मतदान में अपने वोट का इस्तेमाल देश से तानाशाही सरकार को हटाने के लिए करने की अपील की। भारद्वाज ने कहा कि अपने लोकप्रिय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जेल भेजे जाने से दिल्ली की जनता बहुत दुखी है। लोगों ने तय किया है कि वे अपनी वोट की ताकत से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को इसका जवाब देंगे। उन्होंने कहा, एक महीने बाद दिल्ली के अंदर लोकसभा का चुनाव है। दिल्ली के लोगों तक अपनी बात पहुंचाने के लिए आप अलग-अलग तरीकों का इस्तेमाल कर रही है। आज हम लोग नयी दिल्ली लोकसभा सीट से के प्रत्याशी के साथ मेट्रो स्टेशनों पर पंपलेट बांट रहे हैं और लोगों से जेल का जवाब वोट से देने की अपील कर रहे हैं। आप नेता ने कहा, आज दिल्ली के लोग इस बात से बहुत दुखी है कि उनके सबसे लोकप्रिय मुख्यमंत्री को जेल में डाला गया है। दिल्ली के लोग इसका जवाब भाजपा और केंद्र सरकार को देना चाहते हैं। आप और दिल्ली की जनता ने यह तय किया है कि हम लोग जेल का जवाब वोट सेदेंगे। हम अपने वोट की ताकत से भाजपा को बताएंगे कि जो उन्होंने जो किया वह गलत किया है।

कांग्रेस मैनिफेस्टो समझाने के लिए खड़गे ने मांगा पीएम से समय,

बोले- सांप्रदायिक विभाजन पैदा करना बन गई है आपकी आदत

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर सबसे पुरानी पार्टी के 'न्याय पत्र' को समझाने के लिए उनका समय मांगा। कांग्रेस के घोषणापत्र का बचाव करते हुए, खड़गे ने कहा कि 'न्याय पत्र' का उद्देश्य युवाओं, महिलाओं, किसानों, मजदूरों और सभी जातियों और समुदायों के हाशिए पर रहने वाले लोगों को न्याय प्रदान करना है। खड़गे ने लिखा कि आपके सलाहकार आपको उन चीजों के बारे में गलत जानकारी दे रहे हैं जो हमारे घोषणापत्र में भी नहीं लिखी गई हैं। मुझे आपसे व्यक्तिगत रूप से मिलकर हमारे 'न्याय पत्र' के बारे में समझाने में बहुत खुशी होगी ताकि देश के प्रधान मंत्री के रूप में आप कोई भी गलत बयान न दें।

कांग्रेस प्रमुख ने कहा, 'संदर्भ से हटकर कुछ शब्दों को पकड़ना, सांप्रदायिक विभाजन पैदा करना आपकी आदत बन गई है।' मोदी के हालिया भाषणों का जिक्र करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि वह 'प्रधानमंत्री द्वारा इस्तेमाल की गई भाषा से न तो हैरान हैं और न ही हैरान हैं।' उन्होंने कहा कि उम्मीद थी कि चुनाव के पहले चरण में बीजेपी का निराशाजनक प्रदर्शन देखने के बाद आप और आपकी पार्टी के अन्य नेता इस तरह की बातें करना शुरू करेंगे। कांग्रेस वंचित गरीबों और उनके अधिकारों ('न्याय') की बात करती रही है। हम जानते हैं कि आपको और आपकी सरकार को गरीबों और वंचितों की कोई चिंता नहीं है।

प्रधान मंत्री पर अपना हमला जारी रखते हुए, खड़गे ने कहा, 'आपकी 'सूट-बूट की सरकार' उन कॉरपोरेट्स के लिए काम करती है जिनके करों को आपने कम कर दिया है जबकि वेतनभोगी वर्ग उच्च करों का भुगतान करता है। गरीब भोजन और नमक पर भी जीएसटी का भुगतान करते हैं और अमीर कॉरपोरेट दावा करते हैं जीएसटी रिफंड। इसीलिए, जब हम अमीर और गरीब के बीच असमानता की बात करते हैं, तो आप जानबूझकर इसे हिंदू और मुस्लिम के साथ जोड़ रहे हैं।' खड़गे का जवाब हाल के चुनावी भाषणों में प्रधानमंत्रियों द्वारा किए गए सिलसिलेवार हमलों के बाद आया है। कांग्रेस के घोषणापत्र को 'मुस्लिम लीग की छाप' कहने से लेकर सबसे पुरानी पार्टी पर 'संपत्ति के पुनर्वितरण' की साजिश रचने का आरोप लगाने तक, मोदी ने अपनी रैलियों में प्रमुख विपक्षी दल पर हमला करने में कोई शब्द नहीं छोड़ा है।

फोन टैपिंग मामला अब भजनलाल सरकार के पाले में

-सरकार और एजेंसियों जांच कर दोषियों पर करें कार्रवाई : पूनिया

जयपुर (एजेंसी)। लोकेश शर्मा के फोन टैपिंगकांड के खुलासे के बाद इस मामले की बॉल अब भजनलाल सरकार के पाले में चली गई है। अब सवाल खड़ा हो गया है कि जो आरोप पूर्व सीएम अशोक गहलोत के ओएसडी रहे लोकेश शर्मा ने लगाए हैं क्या भजनलाल सरकार उन तथ्यों की जांच करवाएगी? लोकेश द्वारा लगाए इन आरोपों से यह साफ होता है कि गहलोत सरकार को गिराने की साजिश में बीजेपी या उनके नेताओं की कोई भूमिका नहीं थी। लोकेश के खुलासे के बाद इस मामले में बीजेपी के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने कहा है कि भजनलाल सरकार और जांच एजेंसियों को इन तथ्यों की जांच करनी चाहिए और जो भी दोषी हो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

लोकेश शर्मा ने जो खुलासे किए हैं उनके मुताबिक अशोक गहलोत ने ही उन्हें पेन ड्राइव में रिकॉर्डिंग मीडिया में वायरल करने को दी थी। एक ऑडियो रिकॉर्डिंग में विधायकों के खरीद-फरोख्त की बात कही गई थी। लोकेश शर्मा ने कहा कि मानेसर बाड़ेबंदी में सचिन पायलट व उनके सहयोगी, गहलोत सरकार के मंत्रियों व अन्य विधायकों के फोन सर्विलांस पर थे। अशोक गहलोत यह साजिश रच रहे थे कि पायलट गुट के लिए सचिन पायलट और उनके गुट को बदनाम किया जाए ताकि उनकी कुर्सी बची रहे। लोकेश शर्मा ने यह भी कहा कि उस वक्त डीजीपी, गृहविभाग के अफसरों को फोन टैपिंगकांड की जानकारी थी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की छवि खराब करने के लिए सीएमआर में साजिशें होती रही। संजीवनी से जुड़े लोगों को सीएम हाउस बुलाया और उनकी वीडियो रिकॉर्डिंग की गई। रीट पेपर लीक करवाने वाले राजनीतिक लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई? उन्होंने कोरोनाकाल में मेडिकल उपकरणों, दवाइयों की खरीद-फरोख्त में और महिलाओं को फ्री मोबाइल देने में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। लोकेश शर्मा ने जो तथ्य पेश किए हैं, उनकी जांच करवाने की जिम्मेदारी अब भजनलाल सरकार की है। बीजेपी के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने भी कहा है कि मैं सरकार का हिस्सा नहीं हूं, लेकिन उस वक्त बीजेपी और हम पर सरकार गिराने की साजिश रचने के पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने आरोप लगाए थे।

लालू के दामाद का टिकट काटकर... कन्नौज सीट से उतरे अखिलेश

-बीजेपी ने नकारात्मक राजनीति की

कन्नौज (एजेंसी)। शुक्रवार को होने वाले दूसरे चरण के मतदान से पहले, समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कन्नौज सीट से अपना नामांकन दाखिल किया। सपा प्रमुख, (जिन्होंने 2000 और बाद में 2004 और 2009 में इस सीट का प्रतिनिधित्व किया था) ने राम गोपाल यादव सहित पार्टी नेताओं की उपस्थिति में नामांकन दाखिल किया। नामांकन के बाद रामगोपाल यादव ने कहा कि सपा भारी अंतर से सीट जीतेगी। उन्होंने कहा, भाजपा उम्मीदवार इस सीट पर अपनी जमानत जब्त कर सकते हैं। गौरतलब है कि सपा द्वारा पूर्व मैनपुरी सांसद तेज प्रताप सिंह यादव को अपने उम्मीदवार के रूप में दाखिल करने के अपने पहले के फैसले को पूरी तरह से उलटने का प्रतीक है। अखिलेश ने कहा कि मैंने अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया है। उन्होंने कहा कि पार्टी, नेताओं, कार्यकर्ताओं और सभी की भावना थी कि मैं कन्नौज से चुनाव लड़ूं। मैं सभी का आभार व्यक्त करता हूं। मुझे उम्मीद है कि मुझे यहां से आशीर्वाद मिलेगा। अखिलेश ने कहा कि विकास जानबूझकर भाजपा सरकार ने रोका, क्योंकि इसकी शुरुआत समाजवादी ने की थी। बीजेपी ने नकारात्मक राजनीति की है। बीजेपी ने बार-बार लोगों का अपमान किया है...मैं पहले भी कन्नौज के लोगों की सेवा करने आया था। कन्नौज की जनता ने विकास होते देखा है। भाजपा सांसद ने कहा कि लोकतंत्र में चुनाव सबसे बड़ा त्यौहार है।

रामलला के दर्शन कर नामांकन करेंगे राहुल और प्रियंका!

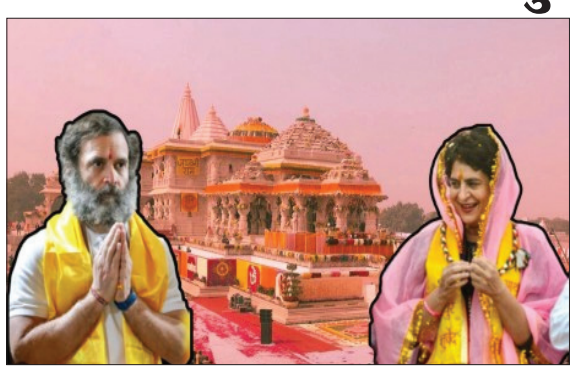

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के बीच कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और वायनाड से सांसद राहुल गांधी एवं कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा यूपी से चुनावी मैदान में उतरेंगे या नहीं, इस रहस्य से जल्द पर्दा उठने वाला है। सूत्र बताते हैं कि अयोध्या के राम मंदिर में रामलला के दर्शन करने के बाद राहुल गांधी अमेठी से तो प्रियंका गांधी रायबरेली से नामांकन दाखिल कर सकती हैं। दावा किया जा रहा है कि कल 26 अप्रैल को केरल स्थित वायनाड लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में मतदान संपन्न होने के बाद गांधी परिवार अमेठी लोकसभा सीट और रायबरेली लोकसभा क्षेत्र का रुख करेगा।

सूत्रों का कहना है कि 30 अप्रैल के पहले इस मामले पर पर कोई औपचारिक ऐलान नहीं होगा। कांग्रेस हाईकमान समेत पार्टी के कई नेता रायबरेली और अमेठी में प्रत्याशी के मुद्दे पर चुप हैं। खुद राहुल गांधी भी अमेठी से चुनाव लड़ने के सवाल पर यह बोल चुके हैं कि यह फैसला भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के मल्लिकार्जुन खरगे और केंद्रीय चुनाव समिति करेगी। उन्होंने बीते दिनों कहा था कि मैं कांग्रेस का सिपाही हूं और मुझे जो आदेश दिया जाएगा, मैं उसका पालन करूंगा। वहीं यह भी कहा जा रहा है कि अगर अमेठी और रायबरेली से क्रमशः राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा चुनाव लड़ने का फैसला करते हैं तो एक से तीन मई के बीच दोनों नेता अपनी-अपनी सीट पर नामांकन करेंगे। दोनों ही निर्वाचन क्षेत्रों में तीन मई को नामांकन का आखिरी दिन है। दोनों लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 5वें चरण के तहत 20 मई को मतदान होगा। इससे पहले कांग्रेस के कम्यूनिकेशन सेल के प्रभारी जयराम रमेश समेत कई अन्य नेता इस आशय के संकेत दे चुके हैं कि राहुल और प्रियंका लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। बीते दिनों अमेठी स्थित उस घर में साफ सफाई और पेंटिंग की तस्वीरें भी सामने आईं थीं जिसमें राहुल रहते हैं।

बताया गया है कि राहुल गांधी 27 अप्रैल को अमेठी पहुंच सकते हैं। राहुल गांधी अमेठी से नामांकन कर सकते हैं। वायनायड में मतदान के बाद राहुल गांधी अमेठी जा सकते हैं। यहां से कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के सामने सीपीआई की नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन वूमेन की महासचिव और पार्टी के महासचिव डी राजा की पत्नी एनी राजा से उनका मुकाबला है। 2019 में राहुल गांधी ने वायनाड सीट से चार लाख वोटों के अंतर से जीत हासिल की थी। हालांकि अमेठी सीट से हार गए थे।

पैसों की किल्लत से दो चार हो रही अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा

-इसरो के लिए सरकार ने खोल दिया खजाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। चंद्रयान-3 मिशन की सफलता के बाद भारतीय स्पेस एजेंसी इसरो का डंका पूरी दुनिया में बज रहा है। अगले कुछ साल में इसरो की योजना मंगलयान-2 और शुक्र मिशन जैसे प्रोग्रामों को अंजाम तक पहुंचाने की है। इसरो के लिए मोदी सरकार के पास फंड की कोई कमी नहीं है। इसके उलट अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा फंड की किल्लत से रूबरू है। न सिर्फ नासा का बजट घटता जा रहा है। दुनिया की सबसे बड़ी स्पेस एजेंसी पर ऐसी कंगाली क्यों आई है? यह समझने की कोशिश करते हैं।

अक्टूबर 1957 में सोवियत संघ ने पूरी दुनिया को चौंका दिया था। तब उसने पहली आर्टिफिशियल सैटेलाइट स्पुतनिक लांच की थी। इस घटना ने अमेरिका को अपने अंतरिक्ष प्रोग्राम को आगे बढ़ाने के लिए हवा दी। वह किसी प्रतिद्वंद्वी महाशक्ति से पीछे नहीं रहना चाहता था। लिहाजा, अमेरिकी सरकार ने अपने अंतरिक्ष कार्यक्रम में संसाधन झोंककर नासा का गठन किया।

हालांकि, प्रतिस्पर्धा की वह भावना खत्म होती दिख रही है। इसका संकेत नासा की बजट कटौती को देखकर लगता है। नासा ने वित?त वर्ष 2024 (अक्टूबर 2023-सितंबर 2024) में अपने सभी मिशन, स?पेस एक्?सप?लोरेशन और ऑपरेशन के लिए लगभग 27 अरब डॉलर का अनुरोध किया था। लेकिन, इसके मुकाबले नासा को लगभग 9 प्रतिशत कम रकम मिली। पिछले वर्ष की तुलना में यह 2 प्रतिशत कम थी। अब वित्त वर्ष 2025 के लिए नासा ने जो बजट अनुरोध रखा है, वह पिछले साल की मांग से 2 अरब डॉलर कम है।

दरअसल, इसका संबंध अमेरिकी सरकार के कर्ज के बोझ से है। पिछले साल देश डिफॉल्ट के कगार पर था। वह अनावश्यक खर्च को कम कर रहा है। नासा के कार्यक्रमों को उसी का हिस्सा माना जाता है। यह दिखाता है कि 1960 के दशक के बाद से समय बदल गया है।

उस समय अमेरिका चंद्रमा की दौड़ जीतने और सोवियत संघ को हराने के लिए बेचैन था। तब नासा पर पैसा लुटाने में कोई संकोच नहीं किया। 1965 में अपने चरम पर नासा की फंडिंग कुल अमेरिकी सरकारी खर्च का लगभग 5 प्रतिशत थी। उन सभी संसाधनों का उपयोग करके नासा अपोलो बनाने में सक्षम था। यह चंद्रमा पर पहले मनुष्यों को उतारने वाला अंतरिक्ष मिशन था।

यह कार्यक्रम इतना महत्वपूर्ण था कि अंतरिक्ष कार्यक्रमों के लिए प्रत्येक 5 डॉलर में से 3 डॉलर अपोलो मिशन में जाते थे। नासा ने इस पर 25 अरब डॉलर से अधिक खर्च किए। महंगाई की दर को एडज?स?ट कर दिया जाए, तब आज के मूल्य में यह रकम 283 अरब डॉलर बैठती है।

हालांकि, 1969 में जैसे ही अमेरिका ने चंद्रमा पर कदम रखा, फंडिंग भी बंद होने लगी। अमेरिका को लगा कि सोवियत संघ को हरा दिया है। अपोलो मिशन ने अमेरिकियों को बांट दिया। नागरिकों के एक वर्ग को यह भी लगा कि

सरकार उन लाखों अमेरिकियों की मदद करने में बेहतर पैसा खर्च कर सकती थी जो बुनियादी जरूरतें नहीं पूरी कर सकते थे। इसी के चलते नासा के लॉन्चपैड के बाहर लोगों ने विरोध प्रदर्शन भी किया। इन सबके साथ सरकार ने आगे के मिशनों को ठंडे बस्ते में डाल दिया। नासा की फंडिंग धीरे-धीरे नीचे की ओर जाने लगी।

बेशक, अमेरिका में अभी भी दुनिया में सबसे अधिक अंतरिक्ष खर्च हैं। लेकिन, नासा को बजट आवंटन से 0.4 प्रतिशत से भी कम मिलता है। नासा को यह पसंद नहीं है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

प्रियंका गांधी की रैली से पहले

पाटिल के ऑपरेशन क्षत्रिय के तहत दक्षिण गुजरात की १०८ सोसायटियां भाजपा के समर्थन में आई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

प्रियंका गांधी की रैली से पहले बीजेपी का ऑपरेशन क्षत्रिय- पाटिल ने कहा- दक्षिण गुजरात का क्षत्रिय समुदाय मोदी के साथ, सूरत कांग्रेस करणी सेना अध्यक्ष ने दावे से इनकार किया

भाजपा नेता और राजकोट से उम्मीदवार पुरुषोत्तम रूपाला की क्षत्रिय समुदाय के बारे में की गई टिप्पणी के बाद राज्य और देश भर में भारतीय जनता पार्टी का भारी विरोध हुआ। आज भी क्षत्रिय समाज द्वारा अलग-अलग इलाकों में विरोध प्रदर्शन शुरूकर दिया गया है. खासकर जहां बीजेपी का कार्यक्रम है वहां लगातार हो रहे विरोध से अब पार्टी की भी चिंता बढ़ गई है. हालांकि भारतीय जनता पार्टी अब इस विरोध को रोकने के लिए जमीनी स्तर पर काम कर रही है.

सीआर पाटिल के दावे को शहर करणी सेना के अध्यक्ष ने खारिज कर दिया है.

जिस तरह से पुरुषोत्तम रूपाला का विरोध हो रहा है, उसे देखते हुए आने वाले दिनों में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी गुजरात में अलग-अलग जनसभाओं को संबोधित करने वाले हैं, तो इसकी तैयारी शुरू कर दी गई है. यह सुनिश्चित करने के लिए कि क्षत्रिय किसी भी प्रकार का विरोध दर्ज न करें। दक्षिण गुजरात के १०८ क्षत्रिय समाज के नेता आज सूरत सी.आर. पाटिल से मुलाकात की. उन्होंने स्वयं सी.आर. पतिलान ने दक्षिण गुजरात के १०८ विभिन्न क्षत्रिय संगठनों की ओर से भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को समर्थन देने की घोषणा की. हालांकि, शहर कांग्रेस के करणी सेना अध्यक्ष ने इस दावे से इनकार किया है.

गुजरात से किसी ने भी बीजेपी का समर्थन नहीं किया है.

सूरत करणी सेना के अध्यक्ष धीरेंद्र सिंह ने कहा कि हमारी जानकारी के मुताबिक सीआर. पाटिल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया. जिसमें उन्होंने कहा कि उन्हें दक्षिण गुजरात के १०८ संगठनों से समर्थन मिल रहा है, लेकिन इस मामले में कोई सबूत नहीं है. जो सूरत और दक्षिण गुजरात की समन्वय समिति है। इसका एक भी सदस्य वहां मौजूद नहीं था. उस मीटिंग के अंदर हमारी टीम का एक भी नेता मौजूद नहीं था. शैलेन्द्र सिंह जो वहां मौजूद थे और उन्होंने जो कहा उससे हम सहमत नहीं हैं. हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं और हमारा विरोध जारी है. आने वाले दिनों में हम निश्चित तौर पर बारडोली में क्षत्रिय महासम्मेलन का आयोजन करने जा रहे हैं। इसके लिए हम एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को भी संबोधित करने वाले हैं और जिस तरह का दावा अब सीआर पाटिल कर रहे हैं वह गलत है. जबकि हमसे जुड़ा कोई भी संगठन वहां मौजूद नहीं था, सिर्फ झूठा विज्ञापन किया गया है.' न तो सूरत और न ही दक्षिण गुजरात ने भाजपा का समर्थन किया।

क्षत्रिय समाज को क्षमा करने का गौरवशाली इतिहास

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीआर ने बताया. पाटिल ने कहा, क्षत्रिय समुदाय के बारे में पुरुषोत्तम रूपाला की टिप्पणी से क्षत्रिय समुदाय को स्वाभाविक रूप से ठेस पहुंची है। दक्षिण गुजरात के क्षत्रिय समाज के नेता आज मुझसे मिले और उन्होंने साफ कहा है कि हमारा विरोध पुरुषोत्तम रूपाला से है. भारतीय जनता पार्टी या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ नहीं. हमारा समर्थन नरेंद्र मोदी को है. मैं यह भी मानता हूं कि क्षत्रिय समुदाय का क्षमा में विश्वास करने का एक लंबा इतिहास है। आइए नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आगे बढ़ें

। पाटिल ने आगे कहा कि राजकोट में जो सम्मेलन हुआ, उसमें दक्षिण गुजरात के क्षत्रिय संगठन के नेता भी मौजूद थे, जो मुझसे मिलने आए हैं. क्षत्रिय समाज के संरक्षण में आए किसी भी समुदाय के व्यक्ति की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने का भी इतिहास है। अमित शाह, रत्नाकर और हर्ष सांघवी क्षत्रिय समुदाय के नेताओं से भी मुलाकात कर रहे हैं. हमारी पार्टी के नेता भी समाज से अपील कर रहे हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो किया है उस पर विचार करें और अनुरोध करें कि क्षत्रिय समाज के नेता माफ कर दें और हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मिलकर आगे बढ़ें.

प्रोत्साहन-२०२४ का हुआ रंगारंग उद्घाटन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, भगवान महावीर कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट स्टडीज़ द्वारा प्रोत्साहन-२०२४ का रंगारंग उद्घाटन बुधवार को किया गया. प्रिंसिपल चेता देसाई ने बताया कि रामायण थीम पर आयोजन का उद्घाटन किया गया. इस मौके पर सूरत शहर महापौर दक्षेश मावाणी एवं पार्थ कोटेचा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहें. इस मौके पर भव्य रैली का आयोजन किया गया. रैली में भगवान राम, लक्ष्मण, सीता एवं हनुमान की जीवंत झांकी प्रस्तुत की गई. चार दिवसीय आयोजन का समापन शनिवार को होगा. आयोजन में अनेकों सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रतियोगिता, म्यूजिक कंसर्ट आदि का आयोजन किया जाएगा. रामायण थीम पर आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देना है.

प्राणीशास्त्र के क्षेत्र में गुजरात के सूरत से एक नई साँप प्रजाति की खोज की गई है

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के एक रिसर्च स्कॉलर डिकांश परमार और प्रयास एनजीओ के स्वयंसेवक मेहुल ठाकुर ने सांप की एक नई प्रजाति की खोज के लिए २०१४ से २०२४ तक कड़ी मेहनत की.

गुजरात में सांपों की ६४ प्रजातियां हैं, इस खोज के बाद संख्या बढ़कर ६५ हो गई

सूरत के रिसर्च स्कॉलर डिकांश परमार और प्रयास एनजीओ के स्वयंसेवक मेहुल ठाकुर ने सूरत और गुजरात के सांपों के बीच सांप की एक नई प्रजाति की खोज के लिए २०१४ से २०२४ तक कड़ी मेहनत की. डिकांश सूरत के एकमात्र सरीसृपविज्ञानी और अनुसंधान विद्वान हैं जिन्होंने पूर्वी ब्रॉन्ज़बेक ट्री स्नेक पर शोध किया और २०२१ में पश्चिमी घाट से गेको की एक नई प्रजाति की खोज की. इसका वैज्ञानिक नाम च्डेंड्रेलाफिस प्रोर्चोसज्ज है, जो म्यांमार, चीन, बांग्लादेश, लाओस और वियतनाम जैसे देशों में पाया जाने वाला सांप है, २०१४ से २०२४ तक इस प्रजाति के कुल ७ नमूनों पर शोध किया गया है, जिसमें मोरफ़ोलॉजी, मॉर्फोमेट्रिक्स और क्षेत्र शामिल हैं यह कहां पाया जाता है, साथ ही इस बात पर भी शोध किया जा रहा है कि यह सांप की प्रजाति सूरत में कैसे आई. यह सांप सूरत के उधना, नवसारी बाजार, वेसू, ऑलपाड और डुमस इलाकों में पाए जाते है. गुजरात में सांपों की ६४ प्रजातियां हैं, इसकी खोज के बाद संख्या बढ़कर ६५ हो गई है.

रिसर्च स्कॉलर डिकांश परमार का कहना है कि यह सांप ब्रॉन्ज़बेक वाला सांप है जिसे गुजराती में ताम्रपीठ साप कहा जाता है, क्योंकि इसकी पीठ का रंग तांबे जैसा होता है. अब तक गुजरात और सूरत में सांप की एक ही ब्रॉन्ज़बैक प्रजाति थी, जिसे कॉमन ब्रॉन्ज़बेक (वैज्ञानिक नाम डेंड्रेलाफिस ट्रिस्टिस) कहा जाता है. लेकिन इस खोज के बाद अब सांपों की दो प्रजातियां हैं, ईस्टर्न ब्रॉन्ज़बेक ट्री स्नेक और कॉमन ब्रॉन्ज़बेक ट्री स्नेक. इस सांप के टैक्सनॉमी, मोरफ़ोलॉजी, मॉर्फोमेट्रिक्स और डीएनए जैसे लक्षणों के लिए ब्रॉन्ज़बेक सांप की लगभग ११ प्रजातियों की जांच की गई और इसके प्रत्येक लक्षण के मिलान से शोध में यह निष्कर्ष निकला कि यह नया पाया गया सांप एक दुर्लभ पूर्वी ब्रॉन्ज़बेक है. ७ नमूनों को खोजने और उन पर शोध करने में लगभग १० साल लग गए.

ईस्टर्न ब्रॉन्ज़बेक और कॉमन ब्रॉन्ज़बेक के बीच क्या अंतर है?

पहली नज़र में देखते ही ईस्टर्न ब्रॉन्ज़बेक की जीभ लाल होती है और सामान्य ब्रॉन्ज़बेक की जीभ नीली होती है. ईस्टर्न ब्रॉन्ज़बेक में आंख से गले तक एक काली पट्टी होती है, जबकि सामान्य ब्रॉन्ज़बेक में नहीं होती है.

ईस्टर्न ब्रॉन्ज़बेक में एनल प्लेट अविभाजित होती है, जबकि कॉमन ब्रॉन्ज़बेक में यह विभाजित होती है. ११ प्रजातियों पर किए गए श्रमसाध्य शोध के बाद न्यूजीलैंड के जर्नल जूटाक्सा में एक शोध पत्र प्रकाशित किया गया है, जिसमें ऐसे कई लक्षणों को मापा गया है. जिसमें तमिलनाडु के एस.आर. गणेश, मुंबई के इशान अग्रवाल और जर्मन शोधकर्ता गर्नोट वोगेल का भी समर्थन मिला है.

गैस री-फिलिंग घोटाले का भंडाफोड़, १३ अलग-अलग दुकानों पर छापेमारी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सूरत से एक बार फिर अवैध गैस रीफिलिंग नेटवर्क का भंडाफोड़ हुआ है. कापोद्रा क्षेत्र से अवैध गैस रीफिलिंग नेटवर्क पकड़ा गया. गैस रीफिलिंग की आड़ में घरेलू गैस सिलेंडर से दूसरे सिलेंडर में गैस रिफिलिंग का काम किया जाता था. १३ अलग अलग दुकानों पर छापेमारी कर १३ आरोपियों को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की गई है.

सूरत के कापोद्रा क्षेत्र में १३ स्थानों पर अवैध गैस रिफिलिंग नेटवर्क का भंडाफोड़ हुआ है. कापोद्रा पुलिस को सूचना मिली कि कापोद्रा थाना क्षेत्र में गैस रिफिलिंग की आड़ में अवैध रूप से गैस रिफिलिंग का काम किया जा रहा है. सूचना के आधार पर पुलिस ने पूरा ऑपरेशन चलाया और छापेमारी की. पुलिस ने प्रत्येक टीम में ४ अधिकारियों की ४ अलग-अलग टीमें बनाईं. कुल २० पुलिस जवानों और अधिकारियों ने एक साथ कापोद्रा में कुल १३ जगहों पर छापेमारी की. जिसमें से कुल १३ दुकानदारों को गैस सिलेंडर से दोबारा गैस भरते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया. १३ दुकानदारों के पास से विभिन्न कंपनियों के छोटे-बड़े भरे हुए गैस सिलेंडर और खाली गैस सिलेंडर बरामद किए गए. ४१ बोतलें, गैस री-फिलिंग मशीन १३ नंग, इलेक्ट्रिक वेइंग कांटा १३, गैस फिलिंग वाल्व १३ नंग सहित १,४४,१०० रुपये जब्त किए गए हैं. पुलिस ने १३ लोगों के खिलाफ अलग-अलग १३ अपराध दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की है.

इन दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई की गई

विकास बावचंद मारू
मनोज गिरधर कानाबार
ललित गोबिंद चंदेल
नीतीश कुमार विनोद पटेल
माधव रतनलाल खटीक
मुकेश राजू मीर
विपुल वर्सु मेर
सुरेश रामचन्द्र तैली
अशोक रतनलाल खटीक
घनश्याम बालू लुनादरिया
कनैयालालजगदीश खटीक
पप्पूसिंग सोहनसिंग
बावचंद मोहन कपूपरा

डीजीसीए ने समानांतर टैक्सी ट्रैक चरण १ को मंजूरी दी, भले ही सूरत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर तीन-चार विमान एक साथ आएं

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

आखिरकार मिल गई मंजूरी- ष्ठत्रष्ट ने समानांतर टैक्सी ट्रैक फेज १ को मंजूरी दी, सूरत इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक साथ तीन-चार विमान आएंगे तो चक्कर लगाने की जरूरत नहीं

नागरिक उड्डयन महानिदेशक ने आखिरकार सूरत हवाई अड्डे के समानांतर टैक्सी ट्रैक के रनवे से पीटीटी तक के चरण एक हिस्से को विमान की आवाजाही के लिए मंजूरी दे दी है। जून २०२३ में, यह घोषणा की गई कि पीटीटी का चरण १ पूरा हो गया है। इसके बाद समानांतर टैक्सी ट्रैक के इस हिस्से का उपयोग करने के लिए डीजीसीए से अनुमति मांगी गई। लेकिन मंजूरी मिलने में ८ से ९ महीने लग गए.

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने १७ दिसंबर २०२३ को अधूरी परियोजना का शुभारंभ स्थगित कर दिया क्योंकि प्रस्तुत शिकायत रिपोर्ट को डीजीसीए की मंजूरी नहीं मिली। क्योंकि फेज वन की वर्किंग कंडीशन को मंजूरी नहीं मिली थी. पीटीटी कार्य का चरण १ पहले ही पूरा हो चुका है और चरण १ कार्य शुरू होने से संबंधित आवश्यक दस्तावेज डीजीसीए को सौंप दिए गए हैं। डीजीसीए द्वारा निरीक्षण के बाद, टिप्पणियां, प्रश्न उठाए गए और जवाब में तस्वीरें आदि के साथ एक शिकायत रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।